RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 ओटीटी पर काम करके खुश हैं...

वर्ष : 26 अंक : 185 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 26 जून, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

ओम बिड़ला चुने गये स्पीकर

पीएम मोदी- राहुल गांधी आसन तक लेकर गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा से भाजपा सांसद ओम बिरला को लोकसभा का नया स्पीकर चुन लिया गया है। ओम बिरला को ध्वनिमत से स्पीकर चुना गया। ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा स्पीकर बने हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नए स्पीकर ओम बिरला को परंपरा के अनुसार, आसन तक लेकर गए। लगातार दूसरी बार ओम बिरला लोकसभा स्पीकर पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। लोकसभा स्पीकर का चुनाव होते ही प्रोटेम स्पीकर भृतहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया।

लोकसभा में आज सुबह 11 बजे लोकसभा स्पीकर का चुनाव हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओम बिरला को लोकसभा का स्पीकर बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, ललन सिंह व एनडीए के नेताओं ने ओम बिरला के नाम का समर्थन किया। प्रस्ताव का समर्थन रखा।

शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत ने विपक्षी गठबंधन के लोकसभा स्पीकर पद के उम्मीदवार के सुरेश के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे विपक्षी सांसदों ने समर्थन दिया। इसके बाद ओम बिरला को ध्वनिमत से लोकसभा का स्पीकर चुना गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केन्द्रीय मंत्री किरन रिजुजू ओम बिरला को आसन तक लेकर आए।

युवा सांसदों के लिए प्रेरणा बनेंगे : प्रधानमंत्री

"ओम बिरला को स्पीकर चुने जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवनिर्वाचित स्पीकर को बधाई और शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं सदन की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं. अमृत काल में दूसरी बार इस पद पर बैठना आपके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. हमें उम्मीद है कि आप अपने अनुभव से अगले 5 वर्षों तक हमारा मार्गदर्शन करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओम बिरला की सराहना करते हुए कहा कि आपके चेहरे पर ये मीठी-मीठी मुस्कान पूरे सदन को प्रसन्न रखती है। दूसरी बार अध्यक्ष बनना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आपसे पहले बलराम जाखड़ को लगातार दो कार्यकाल के लिए लोकसभा अध्यक्ष के रूप में सेवा करने का अवसर मिला था और आज आप वही इतिहास दोहरा रहे हैं. आप जिस प्रकार से एक सांसद के रूप में कार्य करते हैं, वह भी जानने योग्य है और बहुत कुछ सीखने योग्य है. मुझे विश्वास है कि एक सांसद के रूप में आपकी कार्यशैली हमारे पहली बार के सांसदों और युवा सांसदों को जरूर प्रेरणा देगी।

पीएम मोदी ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में मुझे विश्वास है कि आप तो सफल होने ही वाले हैं. लेकिन आपकी अध्यक्षता में ये (शेष पृष्ठ-3 पर)

आज सुबह कांग्रेस संसदीय दल के कार्यालय में कांग्रेस सांसदों की बैठक हुई। राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता चुने जाने पर बधाई दी गई।

विपक्ष भी भारत की आवाज : राहुल गांधी

"लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दोबारा स्पीकर बनने पर ओम बिरला को बधाई दी। राहुल ने कहा कि मैं आपको पूरे विपक्ष और आईएनडीआईए गठबंधन की ओर से बधाई देना चाहता हूं। यह सदन भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज के अंतिम निर्णायक हैं।

सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और इस बार विपक्ष ने पिछली बार की तुलना में भारतीय लोगों की आवाज का काफी अधिक प्रतिनिधित्व किया है। विपक्ष आपके काम करने में आपकी सहायता करना चाहेगा। हम चाहते हैं कि सदन अक्सर और अच्छी तरह से काम करे। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि सहयोग विश्वास के आधार पर हो। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विपक्ष की आवाज को इस सदन में प्रतिनिधित्व करने की अनुमति दी जाए।

सीएम केजरीवाल को अब सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला केस में सीबीआई ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी उन्हें आज सुबह तिहाड़ जेल से लेकर राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची। अवकाशकालीन पीठ के न्यायाधीश अमिताभ रावत के समक्ष केजरीवाल को पेश किया गया। सीबीआई ने कोर्ट से उनकी कस्टडी की मांग की. केजरीवाल के वकील विक्रम चौधरी ने इसका विरोध किया है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल को दूसरे मामले में न्यायिक हिरासत में रहते हुए सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किया गया है। कोई आदेश पारित हो गया है और हमें जानकारी नहीं है। जिस तरह से यह किया गया है वह गंभीर चिंता का विषय है और यह संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। हमें मीडिया से अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बारे में पता चला। (शेष पृष्ठ-3 पर)

अखिलेश यादव ने अस्पताल में आतिशी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार में जल मंत्री आतिशी से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज सुबह मुलाकात की। दिल्ली के पानी के लिये चल रहे अनशन के दौरान तबियत बिगड़ने पर कल आतिशी को इमरजेंसी आईसीयू में भर्ती कराया गया। इस बीच सांसद संजय सिंह और विधायक दिलीप पांडे भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि अखिलेश यादव आज दिल्ली एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। पंजाब के सीएम के साथ अखिलेश यादव दिल्ली की मंत्री आतिशी से मिलने पहुंचे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

लड़की से की छेड़छाड़ कपड़े फाड़े

शिकायत करने पर मनचले के बाप ने दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक मनचले युवक व उसके पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। मनचले युवक ने दुकान पर सामान लेने जा रही किशोरी के साथ छेड़खानी करते हुए उसके कपड़े फाड़ दिए और अभद्रता की। इस बात की शिकायत करने किशोरी की मां जब आरोपी के घर पहुंची तो पिता पुत्र ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कस्बे में रहने वाली पूनम (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसके 15 वर्ष की बेटी को पड़ोस में रहने वाला रोहित

नहर में नहाने गया युवक डूबा, नहीं मिला शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दोस्तों के साथ नहर में नहाने आया एक युवक गहरे पानी में डूब गया। थाना जारचा पुलिस और एनडीआरएफ की टीम युवक की तलाश कर रही हैं। युवक की तलाश के लिए गोताखोर लगातार सर्च अभियान चला रहे हैं। मूल रूप से मैनपुरी निवासी गौरव पुत्र नाथूलाल थाना बिसरख क्षेत्र की रिद्धि कंपनी में नौकरी करता था। मंगलवार की शाम को वह अपने साथी कर्मचारियों के साथ नहाने के लिए प्यावली गांव के पास नहर पर पहुंचा। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि बड़ी नहर में पानी का तेज बहाव है इसलिए वह पास ही बह रही छोटी नहर में नहा लें। गौरव के दोस्त छोटी नहर में नहाने लगे इस दौरान गौरव ने अपने साथियों को बताया कि वह तैरना जानता है और वह बड़ी नहर में नहाने के लिए जा रहा है। गौरव ने जैसे ही बड़ी नहर में छलांग लगाई तो वह गहरे पानी में डूबने लगा। उसके साथी दोस्तों ने उसे बचाने के लिए शोर मचाया लेकिन तब तक वह गहरे पानी में समा गया। गौरव के डूबने की सूचना मिलने पर आस पड़ोस के लोग भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने उसकी नहर में तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद गौरव के दोस्तों ने थाना जारचा पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम को बुलवाकर नहर में सर्च अभियान चलवाया। लेकिन गौरव का कोई पता नहीं चला। थाना प्रभारी ने बताया कि आज सुबह एनडीआरएफ टीम के गोताखोरों ने एक बार फिर नहर में सर्च अभियान चलाया लेकिन गौरव का कोई पता नहीं चला है। सर्च अभियान लगातार जारी है हादसे की जानकारी गौरव के परिजनों को दे दी गई है।

रजवाहे में मिला सड़ा-गला शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा क्षेत्र के गुलावटी खुर्द गांव के पास रजवाहे में एक व्यक्ति का सड़ा गला उत्सव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी अमित खारी ने बताया कि बीती श्याम ग्रामीणों ने सूचना दी की गुलावती खुर्द गांव के पास रजवाहे में एक युवक का शव पड़ा हुआ है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। शव कई दिन पुराना होने के कारण बुरी तरह से सड़गल गया जिस कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई। शव का पंचनामा भर कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि यह शव पीछे से रजवाहे में बहता हुआ आया है आसपास के थाना क्षेत्र की पुलिस को अज्ञात शव मिलने की सूचना दे दी गई है।

घर से निकली किशोरी हुई गायब, ग्रेटर नोएडा से किशोर लापता

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से एक किशोरी व युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। वहीं थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र से किशोर लापता हो गया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है।

थाना सूरजपुर क्षेत्र के सेक्टर जीटा-1 में रहने वाले रमेश (काल्पनिक नाम) ने बताया कि वह सेक्टर में ही दुकान चलाते हैं। 21 जून को उनकी 16 वर्षीय बेटी घर से दुकान पर खाना देने के लिए आई थी। खाना देने के बाद वह घर जाने के लिए कह कर चली गई इसके बाद उनकी बेटी घर नहीं पहुंची। घर न पहुंचने पर बेटी की तलाश की गई लेकिन कोई पता नहीं चला।

वहीं थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-57 के कंपनी में काम करने वाली युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। खोड़ा निवासी माला (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उनकी बेटी 13 जून को घर से ड्यूटी के लिए गई थी इसके बाद घर वापस नहीं लौटी। उन्होंने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

वहीं थाना नॉलेज पार्क में अलीगढ़ निवासी नेपाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका 16 वर्षीय बेटा आकाश अपने भाई के साथ 23 जून को अलीगढ़ से ग्रेटर नोएडा आया था। उसने 24 जून को अन्नपूर्णा हॉस्टल में (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो बैंक अकाउंट से ऑनलाइन ठगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। साइबर ठगों ने ऑनलाइन फ्रॉड कर एक व्यक्ति के खाते से 595000 रूपये निकाल लिए। पीड़ित ने अपने खाते फ्रीज करने के लिए बैंक को भी ईमेल की और मुकदमा दर्ज करने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। न्यायालय के निर्देश पर पीड़ित ने थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन एवेन्यू गौर सिटी वन निवासी जीत राज मनखंड ने बताया कि उनका एक बचत खाता वाराणसी के यस बैंक तथा दूसरा खाता यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया की शाखा वाराणसी में है। 16 फरवरी 2023 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन फ्रॉड करके उसके यस बैंक के खाते से 495000 रूपये ऑनलाइन निकाल लिए। इस संबंध में उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस में ऑनलाइन शिकायत की तथा बैंक की ब्रांच को उक्त खाता तथा अपने दूसरे यूनियन बैंक खाते को भी फ्रीज करने के लिए ईमेल की जिससे अन्य कोई धनराशि उसके खाते से धोखाधड़ी करना निकल जा सके। जीत राज के मुताबिक 18 फरवरी को एक बार फिर उसके यूनियन बैंक के बचत खाते से 99999 रूपये ऑनलाइन फ्रॉड (शेष पृष्ठ-3 पर)

रेकी के बाद तोड़ते थे कार के शीशे, दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सुनसान जगह पर खड़े वाहनों की रेकी करने के बाद शीशे तोड़कर मोबाइल लैपटॉप में अन्य सामान चोरी करने की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को थान नॉलेज पार्क पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक अर्टिगा कर चोरी के 43 मोबाइल फोन 4 लैपटॉप तमंचा कारतूस बरामद हुए हैं।

एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि थाना प्रभारी विपिन कुमार व उनकी टीम ने चेकिंग के दौरान एक अर्टिगा कार को जांच के लिए रोका। संदेह के आधार पर ली गई तलाशी में कार चालक के पास से 43 मोबाइल फोन, लैपटॉप, तमंचा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम परमजीत पुत्र सूरजभान निवासी खेमा कटरा किशनगंज (शेष पृष्ठ-3 पर)

महागुन मायवुड सोसाइटी के फ्लैट में लाखों की चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट की महागुन मायवुड सोसाइटी के एक फ्लैट से चोरों ने करीब 8 लाख रुपए मूल्य के जेवरात चोरी कर लिए। सोसाइटी में कड़ी सिक्योरिटी के बावजूद भी चोरी की घटना होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

महागुन मायवुड सोसाइटी में रहने वाले शरद कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 21 जून को अपने फ्लैट को ताला लगाकर अपने पैतृक घर गया था। 25 जून को जब वह वापस लौटा तो उसे घर का सामान अस्त-व्यस्त मिला। घर में रखिए अलमारी देखने पर उसमें से जेवरात गायब मिले। पीड़ित के मुताबिक चोरी गए जेवरात की कीमत करीब 8 लाख रुपए है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

कार चालक से मारपीट में चार गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सोशल मीडिया पर कार चालक के साथ गाली-गलौज मारपीट की वीडियो वायरल होने के बाद कमिश्नरेट गौतमबुधनगर पुलिस हरकत में आ गई है। थाना बिसरख में अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

थाना बिसरख में तैनात उप निरीक्षक पूनम बघेल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि ट्विटर पर किसी व्यक्ति ने ट्वीट कर एक वीडियो डाली इस वीडियो में 5 लड़के काले रंग की (शेष पृष्ठ-3 पर)

फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की लीज निरस्त, काली सूची में डालने की तैयारी

● नोएडा स्टेडियम संचालन करने की 15 वर्ष की प्राधिकरण ने दी थी लीज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम ने व्यवस्था को दुरूस्त न करने, आय में वृद्धि के कोई प्रयास न करने तथा लापरवाही बरतने पर नोएडा क्रिकेट स्टेडियम का संचालन करने वाली कंपनी की लीज निरस्त कर दी है। दो माह के अंदर नई कंपनी का चयन किया जाएगा।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि नोएडा क्रिकेट स्टेडियम में अल्टीमेंटम के बावजूद फ्लड लाइट न लगाने, दर्शकदीर्घा में सीट न लगाने तथा अनुरक्षण कार्य न करने पर सीईओ ने स्टेडियम संचालन करने वाली कंपनी फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफइंडिया की लीज निरस्त कर दी है। सूत्रों की मानें तो इस कंपनी को काली सूची में डालने की तैयारी भी की जा रही है।

बता दें कि नोएडा क्रिकेट स्टेडियम का संचालन करने के लिए प्राधिकरण ने फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफइंडिया को 2021 में 15 वर्ष की लीज देकर अनुबंधित किया गया था। कंपनी को फ्लड लाइट लगाने, सीट लगाने तथा प्रतिमाह एक लाख रूपये की आय को बढाने की जिम्मेदारी दी गई थी। इस दौरान किसी प्रतियोगिता का भी आयोजन कराने में कंपनी विफल रही।

अधिकरियों का आरोप है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो कंपनियों के डाटा चोरी कर मार्केट में दिये बेच

नोएडा (चेतना मंच)। कंपनियों का डाटा चोरी कर अन्य कंपनियों को बेचकर आर्थिक लाभ कमाने के दो मामले सामने आए हैं। पीड़ितों ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के आईकोनिक कोरंथम में स्थित येलो एक्स्ट्रा एडवरटाइजिंग एलएलपी कंपनी के मालिक अहमद फराज उस्मानी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनके कंपनी में सौरभ अग्रवाल बतौर वीडियो एडिटर और केशव छारी डायरेक्टर के रूप में कार्यरत थे। दोनों ने मिलकर 29 मार्च 2024 को कंपनी की सी 2 टी बी हार्ड ड्राइव चोरी की जिसमें कंपनी का बहुमूल्य डाटा मौजूद था। इस हार्ड ड्राइव में जेके टायर, सकरनी, वाल्वोलीन, जमना ऑटोमोबाइल और कई अन्य कंपनियों का डाटा सुरक्षित था। दोनों आरोपियों ने इस डाटा को चुरा कर मार्केट में बेज दिया और कंपनी का डाटा डिलीट कर दिया। उन्होंने बताया कि सौरभ अग्रवाल द्वारा डाटा चोरी किए जाने की यह पूरी घटना कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। उन्होंने बताया कि डाटा डिलीट होने के कारण उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है और उनके कारोबारी संबंध भी खराब हुए हैं। पीड़ित के मुताबिक दोनों आरोपी कंपनी से चोरी की गई हार्ड ड्राइव से उनके प्रतिद्वंद्वी कंपनी में काम कर रहे हैं और कंपनी का डाटा उन्हें दे रहे हैं। उन्होंने जब आरोपियों से डाटा वापस मांगने की कोशिश की तो दोनों ने उनके साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पेपर लीक

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और नीट के तहत परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं, ये मुद्दे यहीं तक सीमित नहीं हैं। एनटीए एक भ्रष्टाचारी और कदाचारी नेटवर्क की सांठगांठ का 'महाघोटाला' है। पृष्ठभूमि में परीक्षा-माफिया सक्रिय है। सिर्फ पेपरलीक और सॉल्वर गैंग की ही साजिशें नहीं हैं, बल्कि 'बड़ी मछलियां' भी हैं, जिनके बच्चों के लिए नीट परीक्षा से कुछ दिन पहले भी एनटीए की ऑनलाइन खिडकी खोली गई थी, ताकि वे परीक्षा के लिए अपने पंजीकरण करा सकें। उस दौर में 24,000 से अधिक पंजीकरण कराए गए। इसकी भी जांच होनी चाहिए कि फरवरी और मार्च में एनटीए की खिडकी खोली गई थी, तब इन लोगों ने पंजीकरण क्यों नहीं कराया? नीट की डॉक्टरी प्रवेश परीक्षा की धांधलियां सामने आ रही हैं। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्न-पत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा, यूजीसी नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य घोर अनिश्चित हो गए हैं। यह कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे युवा कब तक परीक्षाएं देते रहेंगे? उम्र भी फिसल रही है, लिहाजा नौकरी की भी अनिवार्यता है। इन बर्बादियों का सवाल और आरोप एनटीए पर ही क्यों है? यह केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए और एनटीए को खंगालना चाहिए। एनटीए की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांगें की जा रही हैं। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा है। परीक्षा-प्रणाली और उसके ईमानदार, पेशेवर तंत्र को आईएएस लॉबी के हवाले करना कोई सार्थक समाधान नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महाविशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं, लेकिन वे एनटीए की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है। समिति को दो माह का समय दिया गया है। सर्वोच्च अदालत में भी एनटीए, नीट परीक्षा के मामले विचाराधीन हैं, जिनकी सुनवाई 8 जुलाई को है। सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर पेपरलीक और उनके पीछे के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। सीबीआई जांच का निष्कर्ष क्या होगा और कब आएगा, वह भी अनिश्चित है। केंद्र सरकार ने एक कानून भी लागू किया है। बेहद गंभीर सवाल है कि अनिश्चितताओं के इस दौर में युवा छात्रों का क्या होगा? नीट के अभ्यर्थी भी विभाजित हैं। क्या सफल युवाओं को उनके मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाएंगे या नीट परीक्षा का परिणाम ही रद्द कर दिया जाएगा और परीक्षा दोबारा होगी? यदि समिति और अदालत के अलग-अलग निर्णय सामने आते हैं, तो फिर युवा अभ्यर्थी क्या करेंगे? जो परीक्षा में सफल रहे हैं, क्या वे डॉक्टरी की पढ़ाई शुरू नहीं कर सकेंगे, यह बहुत अहम सवाल है। एनटीए के अस्तित्व और आंतरिक सुधारों के अलावा, कई और सवाल पैदा हो गए हैं। निश्चित तौर पर यह मोदी सरकार के लिए गंभीर चुनौती है। यह राजनीतिक विवाद भी बन गया है और प्रतिपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। बहरहाल विशेष समिति का काम नौकरशाही किस्म का नहीं होना चाहिए, क्योंकि उससे व्यवस्था को छिद्रों से मुक्त नहीं किया जा सकेगा। अमरीका की तरह परीक्षाएं साल में दो बार या अधिक बार आयोजित की जा सकती हैं, क्योंकि हमारे सामने आबादी की भी समस्या है। परीक्षाओं के विकेंद्रीकरण से भी सरकार को शर्माना नहीं चाहिए। इस पर समिति विचार कर सकती है और अन्य विशेषज्ञों की भी सलाह ले सकती है। व्यापक स्तर पर सुधार और साफ-सफाई करनी पड़ेगी, क्योंकि लाखों युवा भारतीयों का भविष्य दांव पर है। बहरहाल, यह मामला जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि आप सब प्रसन्न होकर यह वरदान दीजिए कि साधु समाज में मेरी कविता का सम्मान हो, क्योंकि बुद्धिमान लोग जिस कविता का आदर नहीं करते, मूर्ख कवि ही उसकी रचना का व्यर्थ परिश्रम करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कीरति भनिति भूति भलि सोई। सुरसरि सम सब कहँ हित होई॥
राम सुकीरति भनिति भदेसा। असमंजस अस मोहि अँदेसा॥

कीर्ति, कविता और सम्पत्ति वही उत्तम है, जो गंगाजी की तरह सबका हित करने वाली हो। श्री रामचन्द्रजी की कीर्ति तो बड़ी सुंदर (सबका अनन्त कल्याण करने वाली ही) है, परन्तु मेरी कविता भद्दी है। यह असामंजस्य है (अर्थात इन दोनों का मेल नहीं मिलता), इसी की मुझे चिन्ता है॥

तुम्हरी कृपाँ सुलभ सोउ मोरे। सिअनि सुहावनि टाट पटोरे॥

परन्तु हे कवियों! आपकी कृपा से यह बात भी मेरे लिए सुलभ हो सकती है। रेशम की सिलाई टाट पर भी सुहावनी लगती है॥

दो0-सरल कबित कीरति बिमल सोइ आदरहिं सुजान।
सहज बयर बिसराइ रिपु जो सुनि करहिं बखान॥

चतुर पुरुष उसी कविता का आदर करते हैं, जो सरल हो और जिसमें निर्मल चरित्र का वर्णन हो तथा जिसे सुनकर शत्रु भी स्वाभाविक बैर को भूलकर सराहना करने लगें॥

(क्रमश:..)

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है?

1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली।

पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो।

पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है।

कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमश- 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है।

चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है।

सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मर्यादा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी।

बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है। सबकी कोशिश यही लग रही थी कि किसी भी तरह से बीजेपी को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोका जाए। कहना न होगा कि विपक्ष अपने इस उद्देश्य में सफल रहा। अगर कांग्रेस का चुनावी लक्ष्य यही था तो उसका खुश होना स्वाभाविक है। निश्चित रूप से वह बीजेपी की सीटें घटाने की लड़ाई में कामयाब रही है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में कांग्रेस भूल गई है कि कार्यकर्ताओं को जोड़े रखने के लिए सत्ता ही फेविकोल की भूमिका निभाती है। कांग्रेस लगातार दो कार्यकाल से सत्ता से बाहर है और तीसरी बार भी बाहर ही हो गई। अगर वह इसी तरह कमजोर प्रदर्शन करती रहेगी तो सत्ता उससे दूर रहेगी। सत्ता का शहद नहीं होगा तो मधुमक्खियां भी दूर ही रहेगी।

- उमेश चतुर्वेदी

आज भी डराती है वो काली रात

सत्ता की ताकत का दुरुपयोग कैसे किया जाता है, इसका उदाहरण कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 में देश पर तानाशाही पूर्वक लगाया गया आपातकाल है। जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही समाप्त कर दिया था। इंदिरा शासन द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल में सरकार के विरोध में आवाज उठाने को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। यहां तक कि सरकार ने विपक्ष की राजनीति करने वालों के साथ ही उन समाजसेवियों और राष्ट्रीय विचार के प्रति समर्पित उन संस्थाओं के व्यक्तियों को जेल में ठूंस दिया था, जो सरकार की कमियों के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे। सरकार के इस कदम को पूरी तरह से अलोकतांत्रिक कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इंदिरा गांधी की सरकार ने अपनी सरकार के खिलाफ उठने वाली हर उस आवाज को दबाने का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक रूप से भी सही थी। वैसे देखा जाए तो कांग्रेस शासन का यही चरित्र रहा है कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को किसी भी प्रकार से शांत किया जाए। आज भी कांग्रेस ठीक इसी पद्धति से काम करती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की बलि दी जाती रही है। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी ने कई बार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देने काम किया है, लेकिन जो कांग्रेस आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत कर रही है, उसने ही 25 और 26 जून 1975 की रात को आपातकाल लगाने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पूरी तरह गला घोंट दिया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किस प्रकार कुठाराघात किया जाता है, इस तथ्य को जानने के लिए कांग्रेस के नेताओं को आपातकाल के काले अध्याय का अध्ययन करना चाहिए। आपातकाल के नाम पर कांग्रेस ने अंग्रेजों से भी भयंकर यातनाएं देते हुए देश भक्तों पर कहर बरपाया। जिसके स्मरण मात्र से दिल में सिरहन दौड़ जाती है। जिन लोगों ने इस काली रात का साक्षात्कार किया, उनके अनुभव सुनने मात्र से ही लगता है कि इन्होंने आपातकाल को किस कदर भोगा होगा।

आपातकाल लगाने के पीछे के कारणों पर दृष्टिपात किया जाए तो यही तथ्य सामने आते हैं कि उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पूरी तरह से तानाशाह शासक की भूमिका में दिखाई दीं। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को ठेंगा बताते हुए अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया, यह प्रकार से सत्ता का दुरुपयोग ही था। वह निर्णय क्या था? इसकी जड़ में 1971 में हुए लोकसभा चुनाव था, जिसमें उन्होंने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनारायण को पराजित किया था, लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनाव परिणाम को चुनौती दी।

12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर उन पर छह साल तक चुनाव न लड़ने का प्रतिबंध लगा दिया और उनके मुकाबले हारे और श्रीमती गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राजनारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था। राजनारायण सिंह की दलील थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, तय सीमा से अधिक पैसा खर्च किया और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। न्यायालय ने इन आरोपों को सही ठहराया था। इसके बावजूद श्रीमती गांधी ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने से इनकार कर दिया और देश में आपातकाल घोषित कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के साथ ही गुजरात में चिमनभाई पटेल के विरुद्ध विपक्षी जनता मोर्चे को भारी विजय मिली। इस दोहरी चोट से इंदिरा गांधी बौखला गईं। इन्दिरा गांधी ने न्यायालय के इस निर्णय को मानने से इनकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने की घोषणा की और 26 जून को आपातकाल लागू करने की घोषणा कर दी गई।

आपातकाल के नाम पर केवल उन्हीं लोगों को जेल में जबरदस्ती बंद किया था, जो सरकार के विरोधी थे। देश भर में इंदिरा शासन के विरुद्ध जबरदस्त आंदोलन खड़ा किया। आपातकाल में शासन, प्रशासन ने लोकनायक जयप्रकाश के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में हिस्सा लेने वाले हर उस व्यक्ति को प्रताड़ना दी, जो लोकतांत्रिक तरीके सरकार के विरोध में आवाज उठा रहे थे।

विपक्षी राजनेताओं ने देश में केन्द्र सरकार के विरोध में ऐसा वातावरण बनाया कि इंदिरा गांधी को अपना सिंहासन हिलता हुआ दिखाई दिया। जॉर्ज फर्नांडीज को लोहे की जंजीरों से बांधकर यातनाएं दी गईं। देश के जितने भी बड़े नेता थे, सभी के सभी सलाखों के पीछे डाल दिए गए। एक तरह से जेलें राजनीतिक पाठशाला बन गईं। जिन लोगों ने यह दृश्य देखा, उनका यही कहना था कि ऐसा दृश्य तो अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी नहीं दिखा। कहने का आशय यही है कि इंदिरा गांधी ने देश के लोकतंत्र का पूरी तरह से अपहरण कर लिया। इस दौरान जनता के सभी मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया था। सरकार विरोधी भाषणों और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया।

आपातकाल के दौरान सत्ताधारी कांग्रेस आम आदमी की आवाज को कुचलने की निरंकुश कोशिश की। इसका आधार वो प्रावधान था जो धारा-352 के तहत सरकार को असीमित अधिकार देती थी। मीसा और डीआईआर के तहत देश में एक लाख से ज्यादा लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। आपातकाल के खिलाफ आंदोलन के नायक जय प्रकाश नारायण की कैद के दौरान किडनी खराब हो गई थी। कर्नाटक की मशहूर अभिनेत्री डॉ. स्नेहलता रेड्डी जेल से बीमार होकर निकलीं, बाद में उनकी मौत हो गई। उस काले दौर में जेल-यातनाओं की दहला देने वाली कहानियां भरी पड़ी हैं।

- सुरेश हिंदुस्थानी, वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल

आषाढ़ शुक्ल पक्ष : पंचांग

(विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
व्यापारिक स्थिति में थोड़ी परेशानी दिख रही है। सीने में थोड़ा विकार संभव है। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों में विघ्न-बाधा रहेगी। स्वास्थ्य ठीक है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल दिख रही हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान की ठीक है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-मैंमैं का संकेत हैं। मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित होगा। घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
नाक-कान व गला की परेशानी हो सकती है। व्यापारिक स्थिति थोड़ी मजबूत नहीं दिख रही है

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के शिकार होंगे। कोई निवेश मत करिएगा। कुटुंबों से थोड़ा सा तालमेल बनाकर रखिएगा

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। बेचैनी-घबराहट संभव है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। मन बहुत अच्छी स्थिति में नहीं रहेगा।

भाजपा ने किया संगोष्ठी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर कल 25 जून 1975 को आपातकाल पर एक संगोष्ठी एवं आपातकाल स्वतंत्रता सेनानियों का स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि भाजपा के प्रदेश महामंत्री क्षेत्रीय प्रभारी एमएलसी सुभाष यदुवंशी रहे। संगोष्ठी कार्यक्रम अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष सेवानंद शर्मा ने किया प्रदेश महामंत्री एमएलसी सुभाष यदुवंशी ने आपातकाल संगोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून 1975 का एक काला अध्याय भारतीय राजनीति में ऐसा आया जिसमे उन दिनों की कांग्रेस नीत इंदिरा गांधी की सरकार ने उस समय के सभी बुद्धिजीवी हूँ राष्ट्रवादी नेताओं को जेल में डाल दिया गया ना कोई कैबिनेट बैठक अगले दिन राष्ट्रपति को बुलाकर इमर्जेंसी लगा कर आपातकाल लगाने का कार्य कांग्रेस नीत इंदिरा सरकार ने किया इंदिरा सरकार में लोगो की गाँवों के गाँवों में ज़बरदस्ती नसबंदी करा कर जनता का शोषण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कार्यक्रम संयोजक सेवानंद शर्मा दादरी नगरपालिका अध्यक्ष गीता पंडित ज़िला महामंत्री दीपक भारद्वाज योगेश चौधरी मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी जिला उपाध्यक्ष पवन रावल पवन नागर मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य आपातकाल सेनानी जन संघ वेद प्रकाश गुप्ता नेमचंद अटल मनीराम गुप्ता ज़िला मंत्री गुरुदेव भाटी सत्यपाल शर्मा सचिन शर्मा अमित शर्मा विकाश चौधरी इन्द्र नागर कपिल गुर्जर विजय रावल मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा मनोज भाटी राजीव सिंघल सांसद प्रतिनिधि बलराज भाटी सतीश गुलिया अजीत मुखिया जितेन्द्र भाटी विमल पुंडीर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम कार्यालय पर सीटू ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हिंडन नदी पुस्ता के इर्द-गिर्द बसी कालोनी कुलेसरा, सुत्याना, हल्द्वानी, जलपुरा,लखनावली आदि कॉलोनी के निवासियों ने विद्युत कनेक्शन दिए जाने की मांग को लेकर आज जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर जोरदार प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया।

प्रदर्शनकारियों को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास समिति के संयोजक व मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि बिजली के अभाव में गरीब लोगों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित है और आज के इस युग में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नोएडा व ग्रेटर नोएडा जैसे नामी ग्रामी शहर में बिना बिजली के रहना किसी अभिशाप से कम नहीं है।

उक्त कालोनियों में आधी-आधूरी बिजली की व्यवस्था है। या कहीं पर बिल्कुल भी बिजली नहीं है, जिसके चलते आम नागरिकों को तो भारी परेशानी है साथ ही बिजली विभाग को भी भारी राजस्व का प्रतिदिन नुकसान हो रहा है क्योंकि ऐसी स्थिति बिजली चोरी को बढावा देती है। जबकि केन्द्र व प्रदेश सरकार हर घर को बिजली देने की बात करती आ रही है।

प्रदर्शनकारियों की मांग का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय शहरी ग्रामीण समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी वशिष्ठ मिश्रा, राजेश दुबे, रामजी यादव, महिपाल सिंह, धर्मवीर सोलंकी, हरिलाल पाल गोपी, भागीरथ, लायक हुसैन, हरगोविंद सिंह, विवेक मिश्रा आदि ने हिस्सा लिया।

आर.पी.एल. कौशल विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, गौतमबुद्धनगर द्वारा तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्यान विषय- सोलेनसियस क्रॉप कल्टीवेटर पर आयोजन का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 40 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

अध्यक्ष/ प्राध्यापक डॉ मयंक कुमार राय द्वारा प्रशिक्षार्थियों को बतया की भारतीय कृषि कौशल परिषद (एएससीआई)-कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्र पर किया जा रहा है। केंद्र अध्यक्ष द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण के महत्वता, कृषि-उद्यान में कौशल विकास से रोजगार के अवसर एवं प्रशिक्षार्थियों का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर केंद्र अध्यक्ष द्वारा अतिथियो एवं विशेषज्ञों का स्वागत किया गया। जिला उद्यान अधिकारी शिवानी तोमर की उपस्थिति रही उनके द्वारा उद्यान से संबंधित कृषक लाभकारी योजनाओं,अनुदान एवं उच्च मूल्य वाली बागवानी फसल जैसे- संरक्षित बागवानी, ड्रैगन फल, कलर शिमला मिर्च की तकनीकी जानकारी प्रशिक्षणार्थीयो को दी।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ सीबी सिंह द्वारा उद्यान की सोलेनसियस फसल उत्पादन एवं अधिक लाभ लेने की तकनीकी जानकारी प्रशिक्षणार्थीयो को दी गई।

वैज्ञानिक डॉ जे.एस.शंकर द्वारा उद्यान फसलों में लगने वाले कीट-बीमारी प्रबंधन की नवीनतम जानकारी के साथ कृषि रसायन के सही उपयोग एवं एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मोहन सिंह (मृदा विज्ञान), डॉ विनीता सिंह (ग्रह विज्ञान) एवं वैज्ञानिक डॉ सुनील प्रजापति (उद्यान विज्ञान), डॉ कुंवर घनश्याम (पशुपालन विज्ञान) एवं केंद्र के समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही।

भाकियू (बलराज) की महापंचायत शहदरा में शुरू

नोएडा(चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) की महापंचायत सेक्टर-142, स्थित शहदरा गांव में आज शुरू होगी। महापंचायत को लेकर यूनियन के पदाधिकारी कई दिनों से गांव-गांव में जनसंपर्क कर भीड़ जुटाने की कवायद में लगे थे।

भारतीय किसान यूनियन बलराज के नोएडा महानगर अध्यक्ष योगेश वैष्णव ने अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ महापंचायत में पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नोएडा प्राधिकरण की तानाशाही अब किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। वहीं महापंचायत को कई अन्य किसान संगठनों ने अपना समर्थन देने का ऐलान किया है।

हालांकि समाचार लिखे जाने तक महापंचायत में कोई निर्णय नहीं लिया गया था। लेकिन इसके पूर्व में यह ऐलान किया गया था कि यदि महापंचायत में किसानों की मांगों को नहीं माना गया तो सभी किसान एकत्र होकर दिल्ली के लिए कुछ करेंगे और वहां पहुंचकर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास का घेराव करेंगे। महापंचायत में भाग लेने वालों में मुख्य रूप से यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी, प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल, उधम नंबरदार, नवीन भाटी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भाकियू (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी का राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय कैमराला पर गुलदस्ता देते यूनियन के कार्यकर्ता।

एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन, 126 अभ्यर्थी चयन

नोएडा (चेतना मंच)। आईटीआई कैम्पस बादलपुर में एक दिवसीय रोजगार मेला तथा करियर काउंसिलिंग कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें 199 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा राजकीय आई टी आई बादलपुर, गौतमबुद्धनगर के सहयोग से आईटीआई कैम्पस में एक दिवसीय रोजगार मेला एवं करियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया, जिसमें जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री तथा प्रधानाचार्य गौरव चौधरी ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। मेले में कुल 8 कम्पनियों ने साक्षात्कार लिया (महिन्द्रा मोटर्स, CNH, मिंडा इलेक्ट्रॉनिक, हीरो मोटर्स, इक्का, सुब्रोज आदि)। जिला सेवायोजन अधिकारी मनीष अत्री ने बताया कि कुल 199 अभ्यर्थियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया, जिनमें से 126 अभ्यर्थियों को चयनित/शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख बिसरख श्यामेन्द्र मुख्य अतिथि के रूप मे सम्मलित हुये।

'मिर्ज़ापुर वेब सीरीज' से मिर्ज़ापुर की छवि हो रही खराब : राजपति ओझा

मिर्जापुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद्- मिर्ज़ापुर जनपद के अध्यक्ष राजपति ओझा व अन्य सदस्यों ने मिर्जापुर वेब सीरीज से मिर्जापुर की ख़राब हो रही छवि के सम्बन्ध में नगरपालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी को ज्ञापन सौंपा।

राजपति ओझा ने बताया कि मिर्जापुर साहित्यिक, सांस्कृतिक व धार्मिक दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण जनपद है। मिर्जापुर आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रेमधन, पाण्डेय बेचन शर्मा (उग्र), बंग महिला जैसे प्रतिष्ठित साहित्य-मनीषियों का कर्मक्षेत्र रहा है तो वहीं मिर्जापुर में जगत- जननी माँ विंध्यवासिनी का विश्व प्रसिद्ध पावन धाम है जिससे करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। वहीं मिर्जापुर वेब सीरीज मिर्जापुर की छवि को ठेस पहुँचा रही है।

मिर्जापुर वेब सीरीज में हिंसा, अपराध और गैंगवार को प्रमुखता दी गई है, जिससे असल मिर्जापुर की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। लोग मिर्जापुर शहर को भी इसी तरह के अपराध और हिंसा से जोड़कर देखने लगे हैं।

मिर्जापुर के निवासियों को कई बार बाहर के लोग नकारात्मक दृष्टिकोण से देख रहे हैं। इससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान पर असर पड़ रहा है। सीरीज में अपराधियों और उनके कार्यों को ग्लोरीफाई किया गया है, जिससे युवा पीढ़ी पर इसका नकारात्मक असर हो रहा है। उन्हें गलत प्रेरणा मिल रही है और वे अपराध की दुनिया की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

मिर्जापुर वेब सीरीज के दो सीजन के अनेक एपिसोड पूर्व में ही प्रसारित हो चुके हैं और तीसरा सीजन 5 जुलाई को रिलीज होने जा रहा है। यदि इस सीजन के एपिसोड में भी मिर्जापुर की गलत छवि प्रस्तुत होगी तो यह हम सभी मिर्जापुर वासियों के लिए बहुत ही नकारात्मक होगा। अतः मिर्जापुर वेब सीरीज के सीजन 3 को प्रतिबंधित करने के लिए उचित कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कवयित्री सृष्टि राज व समाजसेवी आनंद अग्रहरि आदि उपस्थित रहे। श्याम सुंदर केसरी ने इस संबंध में उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया।

भाजपा के भीतर घातियों पर कार्यवाही कब

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। लोकसभा चुनाव में भीतर घात करने वाले एक दर्जन से अधिक भाजपा नेताओं पर आखिर कब करवाई होगी। यह चर्चा भाजपा के राजनैनितक गलियारों में तेजी के साथ हो रही है। सूत्र बताते हैं कि संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एक दर्जन से अधिक भाजपा नेता एवं महत्व पूर्ण पदों पर विराजमान पदाधिकारी भी इस षड्यंत्र में शामिल बताया जा रहे हैं इन भीतर घाटियों की सूची भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को सौंप दी गई है अभी हार को लेकर मंथन करने पर जुटी है। वही पार्टी की जिला इकाई में सब ठीक-ठाक नहीं चल रहा है हालांकि गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रहे डॉक्टर महेश शर्मा की ऐतिहासिक जीत हुई है। भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा का हारने को लेकर रोज रणनीति बनाई जा रही थी। इसमें भाजपा के एक जिला इकाई के बड़े पदाधिकारी भी शामिल है। हालांकि अभी नाम सार्वजनितक नहीं किया गया। लेकिन जो सूची प्रदेश नेतृत्व को सौंपी गई है उसमें नामों को पूरी तरह से खोला गया है। भाजपा आखिर भीतर घातियों पर कार्रवाई करती है या नहीं या तो आने वाला समय बताएगा लेकिन जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई में उठा पटक चल रही है वह आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पृष्ठ एक के शेष....

युवा सांसदों के...

18वीं लोकसभा भी सफलतापूर्वक देश के नागरिकों के सपनो को पूर्ण करेगी. हमारा ये संसद 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केंद्र है. संसद की कार्यवाही, जवाबदेही और आचरण हमारे देशवासियों के मन में लोकतंत्र के प्रति निष्ठा को और अधिक मजबूत बनाते हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने ओम बिरला की तारीफ करते हुए कहा- आपने स्वस्थ शिशु, स्वस्थ मां अभियान शुरू किया है जो प्रेरक है. गांव-गांव में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की कोशिश, गरीबों को कंबल, कपड़े, छाता, जूते ऐसी अनेक सुविधाएं खोज-खोज कर पहुंचाते हैं।

सीएम केजरीवाल...

हम मांग करते हैं कि सीबीआई की ओर से दाखिल रिमांड अर्जी की कॉपी हमें भी दी जाए।

केजरीवाल के वकील की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने कहा- हमें जो समझ आ रहा है, चूंकि वह न्यायिक हिरासत में थे, इसलिए सीबीआई ने 24 तारीख को अदालत के समक्ष पूछताछ के लिए एक आवेदन दायर किया था। फिर एजेंसी ने कल प्रोडक्शन वारंट की अनुमति लेने और उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने के लिए आवेदन दिया। अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार नहीं किया गया है।

अखिलेश यादव ने...

कल से मंत्री आतिशी इमरजेंसी में भर्ती हैं। आप सांसद संजय सिंह अखिलेश के साथ मौजूद रहे। अनशन पर बैठी आतिशी की तबीयत बिगड़ी थी. जल संकट को लेकर आतिशी अनशन पर बैठी थीं। मंत्री आतिशी को लेकर अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होनें कहा है कि आतिशी लोगों के लिए लड़ रही हैं। दिल्ली के लोगों के लिए लड़ रहीं आतिशी, केंद्र सरकार मुख्यमंत्रियों की परेशानी बढ़ा रही, दिल्ली सरकार के साथ बहुत भेदभाव हुआ। आगे उन्होनें सीएम को लेकर कहा कि केजरीवाल के साथ बहुत भेदभाव हुआ। केजरीवाल को परेशान किया जा रहा, बाहर आने वाले होते हैं तो नया केस लग जाता है, सीबीआई, ईडी का दुरुपयोग किया जाता है।

लड़की से...

पिछले काफी समय से परेशान कर रहा है। आरोपी उसे रास्ते में रोक कर उस पर बात करने का दावा बनाता था। पूनम के मुताबिक 17 जून के शाम को उनकी बेटी दुकान पर सामान लेने के लिए जा रही थी। जैसे ही उनकी बेटी घर से बाहर निकली तो रास्ते में रोहित ने उसे जबरन रोक लिया। उनकी बेटी जब रास्ता बदल कर जाने लगी तो रोहित ने उसका हाथ पकड़ लिया और बदतमीजी करते हुए उसके कपड़े फाड़ दिए। किसी तरह उनकी बेटी उसके चंगुल से छूट का घर पहुंची और आपबीती बताई। इसके बाद वह शिकायत करने के लिए रोहित के घर गई तो रोहित व उसके पिता जय सिंह ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक आरोपी दबंग किस्म के व्यक्ति हैं और कभी भी उसकी बेटी के साथ कोई अनहोनी हरकत कर सकते हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

रेकी के बाद तोड़ते थे ...

नई दिल्ली संजय पुत्र विश्वनाथ शाह निवासी सिमरी थाना विद्यापति जनपद समस्तीपुर बिहार बताएं। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी अर्टिगा कार से पहले सुनसान जगह पर खड़े वाहनों की रैकी करते हैं। इसके बाद मौका देखकर वह कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे मोबाइल लैपटॉप में अन्य कीमती सामान को चोरी कर लेते हैं। पकड़ा गया संजय पूर्व में भी कई बार जेल जा चुका है। आरोपियों ने 19 जून को गलगोटिया कॉलेज में आईएमटी कॉलेज के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़कर मोबाइल लैपटॉप में अन्य सामान चोरी किया था पुलिस द्वारा की गई विवेचना व सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों के बारे में अहम सुराग हाथ लगे थे।

घर से निकली...

हाउसकीपिंग का काम शुरू किया था। ड्यूटी खत्म होने के बाद वह अपने कमरे पर नहीं पहुंचा उनके बड़े बेटे ने आकाश की तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है। लापता किशोर किशोरी व युवती की तलाश की जा रही है।

दो बैंक अकाउंट...

कर निकाल लिए गए। पीड़ित के मुताबिक अपनी रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कई बार साइबर क्राइम थाने व थाना बिसरख गया लेकिन उसकी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

कार चालक से...

कार के चालक के साथ गाली-गलौज करते तथा मारपीट करते दिख रहे हैं। मारपीट के दौरान युवको ने कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। यूजर ने ट्वीट करते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उप निरीक्षक ने बताया कि वायरल वीडियो थाना बिसरख क्षेत्र का बताया जा रहा है। उपनिरीक्षक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने वायरल वीडियो में दिख रहे विशन पुत्र दरियाव सिंह, मुकेश पुत्र लालाराम, राहुल पुत्र कुंवरपाल तथा विनीत पुत्र राधेश्याम सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

फिजिकल एजुकेशन...

कंपनी ने एक भी क्रिकेट मैच नहीं कराया। रणजी स्तर का भी कोई मैच नहीं हुआ। कई बार कंपनी को फ्लड लाईट लगाने, सीटें लगाने तथा लापरवाही बरतने में सुधार लाने का अल्टीमेंटम दिया गया लेकिन कंपनी ने अपना लापरवाहपूर्ण रवैया नहीं छोड़ा। ऐसी स्थिति में कंपनी की लीज डीड निरस्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अब दो माह के अंदर दूसरी कंपनी का चयन किया जाएगा।

महागुन मायवुड...

उसने इसकी शिकायत पुलिस से की जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। बता दें कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट की अधिकतर सोसाइटी में प्रवेश पाने के लिए कड़ी जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। सोसायटी के मुख्य द्वार पर तैनात गार्ड पूरी जांच पड़ताल के बाद ही आगंतुक को अंदर भेजते हैं। इस दौरान आने वाले लोगों से उनकी आईडी तक ली जाती है ऐसे में सोसायटी के फ्लैट में चोरी होने की घटना से लोगों में सिक्योरिटी को लेकर रोष व्याप्त है।

दो कंपनियों के...

इसी थाना क्षेत्र के आईटी पार्क में स्थित एलडीआर ऑटो पार्ट्स कंपनी के डायरेक्टर पारस आहूजा ने अपने पांच कर्मचारियों के खिलाफ कंपनी का डाटा चोरी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पारस आहूजा ने बताया कि उनकी कंपनी कई सालों से ऑटो पार्ट्स में डील का काम करती है। वर्ष 2023 मार्च माह में उनके यहां प्रतीक वार्ष्णेय, फ्रैंक परशु, एलियास फ्रैंक, एलिजाबेथ मेरी, प्रांजल पुजारी,एल्विन चार्ल्स ने उनकी कंपनी में ज्वाइन किया था। पिछले कुछ समय से पांचो आरोपी उनसे कंपनी के प्रॉफिट में परसेंटेज मांगने लगे। उन्होंने जब परसेंटेज देने से इनकार कर दिया तो आरोपियों ने उनके खिलाफ षड्यंत्र रचना शुरू कर दिया। 12 मार्च 2024 को प्रतीक वार्ष्णेय ने उन्हें बेबुनियाद कारण बताते हुए अपना रिजाइन लेटर दे दिया। इसके बाद चार अन्य आरोपियों ने भी कस्टमर और क्लाइंट से जुड़ी सारी इनफार्मेशन ऑर्डर की डिटेल का डाटा चोरी कर लिया और नौकरी छोड़कर चले गए। कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि पांचो आरोपी उनकी कंपनी का महत्वपूर्ण डाटा चोरी कर ले गए हैं। इस डाटा के जरिए उन्होंने उनके व्यवसायिक संबंधों को मार्केट में पूरी तरह से खराब कर दिया है। पारस आहूजा के मुताबिक पांचो आरोपी उनकी कंपनी का नाम बदनाम कर रहे हैं और उनकी हरकत से उन्हें काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

बस अड्डे में बैठेंगे प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के चंद अधिकारी तथा कर्मचारी अगले माह से सेक्टर 82 में बने सिटी बस टर्मिनल में बैठेंगे। बता दें कि सिटी बस टर्मिनल 2 वर्ष पूर्व बनकर तैयार हो गया था तथा बसों का संचालन शुरू न होने के कारण यह बस टर्मिनल फिलहाल शोपीस साबित हो रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी सूत्रों ने बताया कि अब वर्क सर्किल-7, 8 तथा 9 के अधिकारी एवं कर्मचारी सेक्टर-82 में स्थित सिटी बस टर्मिनल में बैठेंगे। अगले माह से विभागों को वहां शिफ्ट कर दिया जाएगा।

बता दें कि अभी तक वर्क सर्किल-7 का कार्यालय सेक्टर-20, वर्क सर्किल-8 का विभाग सेक्टर-19 तथा वर्क सर्किल-9 का कामकाज सेक्टर-39 स्थित नोएडा प्राधिकरण के कार्यालयों से हो रहा था लेकिन लोगों की सुविधा के मद्देनजर अब तीनों वर्क सर्किल के विभाग सेक्टर-82 स्थित सिटी बस टर्मिनल में ही काम शुरू करेंगे। नोएडा प्राधिकरण की बन रही नई बिल्डिंग के पूरे होने तक तीनों विभागों का यही कामकाज होगा।

श्री राम हनुमान सेवा समिति ने किया 100 वां हनुमान चालीसा पाठ

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम हनुमान सेवा समिति के द्वारा 100वीं हनुमान चालीसा का पाठ कल्याण कुंज सेक्टर-49 स्नातन धर्म मन्दिर पर किया गया। प्रोग्राम आयोजक श्रीमति मनोज शर्मा, (महिला मोर्चा प्रभारी) और धर्मेंद्र नन्दा (सलाहकार समिति)के नेतृत्व में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। जिसका संचालन विनोद शर्मा ने किया, जिसकी अध्यक्षता पंडित राकेश कुमार मिश्रा ने की। राष्ट्रीय अध्यक्ष मुक्तनंद प्रधान और एनसीआर अध्यक्ष अशोक यादव ने भी अपने विचार में बताया कि श्री राम हनुमान सेवा समिति ने हर गाँव में जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है जिसमें हनुमान सेवा समिति हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ पूरे नोएडा में किसी ना किसी मन्दिर मे करते रहते है । इस मौके पर (राष्ट्रीय अध्यक्ष) मुकतानन्द प्रधान, (राष्ट्रीय सचिव) राम निवास यादव,(संस्थापक) अनिल मास्टर, (एनसीआर अध्यक्ष अशोक यादव) अशोक यादव, (ग्रेटर नोएडा प्रभारी) दीपक शर्मा, (युवा अध्यक्ष) सौरव यादव, काजल श्रीवास्तव आदि भक्त उपस्थित रहे।

आत्मदाह का प्रयास करने वाले सचिन पर माँ ने दर्ज कराई एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर मंगलवार को आत्मदाह का प्रयास करने वाले युवक के खिलाफ उसकी मां ने थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता के मुताबिक उनका बेटा नशे का आदी है और आए दिन गांव में झगड़ा करता रहता है। ग्राम सादुलपुर निवासी वीरवती ने बताया कि उनका (32 वर्षीय) बेटा सचिन तरह-तरह के नशे करता है। नशे में वह घर में गांव के लोगों से झगड़ा करता है। 24 जून के रात्रि को सचिन ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसे बचाने आए उसके पति को भी सचिन ने मारपीट कर घायल कर दिया। इसके बाद सचिन ने गांव के ही पड़ोसी हर्ष एवं वंश से भी मारपीट की। सचिन पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर चला गया। बता दें कि सचिन ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया था और आत्मदाह करने का प्रयास किया था। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने सजगता दिखाते हुए उसे दबोच लिया था।

खोया-पाया

पार्थी राजेश सिंह पुत्र राजनाथ सिंह प्लॉट नंबर 27 खसरा नंबर 109 (म) 60 वर्ग यानि 50.166 वर्ग मीटर जिसकी रजिस्ट्री (बही नंबर 1 जिल्द नंबर 3727 पेज 317 से 334 क्रमांक नंबर 675 रजिस्ट्री दिन 14/02/2013) ग्राम भंगेल बेगमपुर तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर यूपी। एवं स्व0 जसवीर सिंह पुत्र रघुवीर सिंह प्लॉट नंबर 28 खसरा नंबर 109 (म) 60 वर्ग गज यानि 50.166 वर्ग मीटर जिसकी रजिस्ट्री (बही नंबर 1 जिल्द नंबर 3727 पेज नंबर 335 से 352 क्रमाक 676 रजिस्ट्री दिनाक 14/02/2013) ग्राम भंगेल बेगमपुर तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश है। उपरोक्त दस्तावेज की रजिस्ट्री का मूल कॉपी दिनांक 24. 05.2024 को सेक्टर 110 के पास जाते वक्त कहीं खो गया है। जिस किसी को मिले नजदीकी पुलिस थाने में देने का कष्ट करें।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com

raghuvanshirampal365@gmail.com

raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

खास खबर

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया ने काम करने के लिए भारत की 100 सर्वोत्तम कंपनियों में लगातार चौथे वर्ष जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को ग्रेट प्लेस टु वर्क इंस्टीट्यूट ने2024 के लिए कामकरनेकेलिए भारत की 100 सर्वोत्तम कार्यस्थल में 47वें पायदान पर रखा गया है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब कंपनी ने देश में शीर्ष 100 अग्रणी कंपनियों में जगह बनाई है और लगातारदूसरावर्ष है जब 50 अग्रणी कंपनियों में जगह बनाई है इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए एसएंडपी ग्लोबल के भारतीय परिचालन की प्रबंध निदेशक नीलम पटेल ने कहा, हम वर्ष 2024 के लिए काम के लिहाज़ से भारत की शीर्ष कंपनियों में 47वें पायदान पर खुद को पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। शीर्ष 50 में स्थान प्राप्त करना उन असाधारण लोगों का प्रमाण है जो एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को काम के लिहाज़ से एक महान स्थल बनाने में योगदान करते हैं। हम निरंतर एक ऐसी संस्कृति के निर्माण पर काम करते रहे हैं जहां हमारे सहकर्मी यह महसूस करें कि उनके पास एक सार्थक प्रभाव का निर्माण करने का अवसर है।

जीआरएम ओवरसीज़ बोर्ड ने प्रेफरेंशियल वारंट्स इश्यू करके फंड जुटाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली। जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड एक लीडिंग कंज्यूमर स्टेपल आर्गेनाइजेशन, ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने 21 जून 2024 को प्रमोटर/प्रमोटर ग्रुप/ नॉन-प्रमोटर ग्रुप कैटेगरी, ऐसे रेगुलेटरी/स्टेट्यूटरीअप्रूवल के अनुसार जो ज़रूरी हो सकती है और कंपनी के शेयरहोल्डर्स की मंजूरी के अधीन है, इस तरह जुड़े व्यक्ति को कन्वर्टिबल शेयर वारंट के प्रेफरेंशियल इश्यू के द्वारा धन जुटाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है। कंपनी 146 रुपये प्रति वारंट, पर वारंट इश्यू करेगी, जिससे कुल मिलाकर 136.50 करोड़ रुपये संग्रहित होंगे। इससे पहले, कंपनी ने जानकारी दी थी कि उसे ओमान सल्तनत के एग्रीकल्चर (कृषि), फिशरीज वेल्थ (मत्स्य संपदा) और वॉटर रिसोर्सेज़ (जल संसाधन) मंत्रालय से 4,500 मीट्रिक टन प्रीमियम बासमती राइस की आपूर्ति के लिए अपना पहला ऑर्डर मिला है, इस ऑर्डर की कीमत 465 मिलियन भारतीय रुपये है। सरकार की स्थ्वद्व (मीडिल ईस्ट/नॉर्थ अफ्रीका) क्षेत्र की इकाइयां बासमती राइस के लगभग 7,00,000 मीट्रिक टन से अधिक इम्पोर्ट के साथ जीआरएम ओवरसीज़ के लिए एक महत्वपूर्ण टार्गेट मार्केट खोलती हैं। एमइएनए (मीडिल ईस्ट/नॉर्थ अफ्रीका) क्षेत्र बासमती राइस का सबसे बड़ा इम्पोर्टर है, जिसकी फाइनेंशियल ईयर 23 में भारत से कुल निर्यात में बड़ी हिस्सेदारी 78 प्रतिशत है, जबकि यूरोप का योगदान 6.9त्न और अमेरिका तथा कनाडा को मिलाकर यह योगदान 6.6 प्रतिशत (फाइनेंशियल ईयर 23) है।

बंसल हॉस्पिटल ने टीएवीआर के द्वारा हाई-रिस्क एओर्टिक स्टेनोसिस के मरीज़ का किया सफल इलाज

भोपाल। भोपाल के जाने-माने चिकित्सा संस्थान बंसल हॉस्पिटल ने ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेन्ट (टीएवीआर) के द्वारा हाई-रिक्स एओर्टिक स्टेनोसिस के मरीज़ का सफल इलाज किया। इंटरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट डॉ माधुरी नागोरी कहती हैं कि इस आधुनिक प्रक्रिया द्वारा मरीज़ को नया जीवनदान दिया गया है। गौरतलब है कि मरीज़ गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस के साथ-साथ कई अन्य बीमारियों से भी पीड़ित था। टीएवीआरः एओर्टिक स्टेनोसिस के इलाज का आधुनिक तरीका एओर्टिक स्टेनोसिस (एएस) दिल के वॉल्व का एक प्रगतिशील रोग है जिसमें एओर्टिक वॉल्स की ओपनिंग संकरी हो जाती है, जिसके चलते दिल से शरीर के अन्य हिस्सों को रक्त का प्रवाह ठीक से नहीं हो पाता। यह बीमारी आमतौर पर बड़ी उम्र के व्यस्कों में देखी जाती है, अगर इसका इलाज न किया जाए तो हार्ट फेलियर और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसके इलाज के लिए आमतौर पर सर्जिकल एओर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेन्ट (एसएवीआर) किया जाता है, अगर मरीज़ अन्य बीमारियों जैसे टाईप 2 डायबिटीज़, हाइपरटेंशन और किडनी के पुराने रोगों से पीड़ित है, तो इलाज की इस प्रक्रिया में जोखिम हो सकता है।

गोदरेज अप्लायंसेज को आफ्टर-सेल्स सर्विस में नंबर 1 का दर्जा दिया गया

PROFESSIONALS AT YOUR CALL

मुंबई एजेंसी। गोदरेज अप्लायंसेज, गोदरेज एंड बॉयस की व्यावसायिक इकाई, को होम अप्लायंसेज श्रेणी में 'आफ्टर-सेल्स सर्विस' में नंबर 1 का दर्जा दिया गया है, यह जानकारी गोदरेज अप्लायंसेज द्वारा औपचारिक रूप से अधिकृत किए गए और नीलसनआईक्यू द्वारा 12 भारतीय शहरों में किए गए अनुकूलित पाठ्यक्रम* रिपोर्ट के आधार पर दी गई है। होम अप्लायंसेज श्रेणी में कराए गए सर्वेक्षण में कई उत्तरदाताओं ने हिस्सा लिया था।

अनुकूलित पाठ्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ता टिकाऊ ब्रांड (कन्ज्यूमर ड्यूरेबल ब्रांड्स) द्वारा प्रदान की जाने वाली आफ्टर-सेल्स सर्विस से समग्र संतुष्टि का आकलन करना था। सर्वेक्षण के मुताबिक, गोदरेज अप्लायंसेज ने उच्चतम नेट प्रमोटर स्कोर, उच्चतम संबंध शक्ति सूचकांक और बिक्री बाद की सेवा के लिए उच्चतम समग्र संतुष्टि मानक प्राप्त किया है। सर्वे में शामिल उत्तरदाताओं में मौजूदा उपकरण खरीदार (रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, एयर कंडीशनर) थे, जिन्होंने आफ्टर-सेल्स सर्विस का शानदार अनुभव प्राप्त किया है।

इस उपलब्धि पर, गोदरेज एंड बॉयस की इकाई, गोदरेज अप्लायंसेज के बिजनेस हेड और कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने कहा, गोदरेज में, ग्राहक संतुष्टि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारे उत्पाद कठोर गुणवत्ता जांच से गुजरते हैं, और हम अपने मूल्यवान ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के उपकरण और आफ्टर सेल्स सर्विस के लिए प्रतिबद्ध हैं। तीसरी बार 'आफ्टर-सेल्स सर्विस में नंबर 1' रेटिंग की यह मान्यता ग्राहक संतुष्टि और उनकी खुशियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमने अपनी बिक्री के बाद की सेवा में काफी निवेश किया है और अपने सेवा विशेषज्ञों को व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। सेवा को मजबूत करने के लिए बैकएंड पर ऑटोमेशन (स्वचालन) एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां हम फोकस कर रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक के विजिल आंटी-एंड ऑफ स्कैम सेल अभियान ने कान्स लायंस में सिल्वर जीता

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने विजिल आंटी-एंड ऑफ स्कैम सेल (ईओएसएस) अभियान के लिए कान्स लायंस 2024 में सिल्वर जितने की घोषणा की है। अभिनेत्री नोरा फतेही और विजिल आंटी ने इस सोशल मीडिया अभियान में अभिनय किया है। इस अभियान ने अब तक 28 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंच और 22 मिलियन से अधिक व्यू प्राप्त किए हैं। विजिल आंटी एक काल्पनिक सोशल मीडिया चरित्र है जिसे एचडीएफसी बैंक ने डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बनाया है। एचडीएफसी बैंक ने अपने ईओएसएस अभियान के हिस्से के रूप में अभिनेत्री नोरा फतेही की स्टार पावर का उपयोग धोखेबाजों के तौर-तरीकों को दोहराने और लोगों को इस बात से अवगत कराने के लिए किया कि कैसे कोई आसानी से डीपफेक और धोखाधड़ी के लिए अतिसंवेदनशील हो सकता है। बैंक ने एक नकली ब्रांड बनाया और दर्शकों को लुलुमेलॉन के लिए एक इंस्टाग्राम पेज बनाकर इसकी वैधता पर विश्वास दिलाया, जिससे यह रोमांचक ऑफ़र और डील के साथ एक वास्तविक ब्रांड की तरह लगने लगा। इस अभियान को इवेंट्स एंड स्टंट्स के बेहतरीन उपयोग के लिए प्रतिष्ठित कान्स लायंस में मान्यता दी गई।

हैम्पटन स्काई रियल्टी ने हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में उद्यम करने की योजना बनाई

नई दिल्ली। हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड प्रतिष्ठित लग्ज़री होटल चेन के सहयोग से अपनी स्वामित्व वाली भूमि पर एक अत्याधुनिक लग्ज़री होटल कंस्ट्रक्शन की अपने फ्यूचर प्लान्स की घोषणा करने के लिए उत्साहित है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का उद्देश्य क्षेत्र में लग्ज़री आवास के लिए एक नया बेंचमार्क सेट करते हुए, समृद्धि और आतिथ्य को फिर से परिभाषित करना है। प्रस्तावित होटल हैम्पटन के स्वामित्व वाली प्रमुख भूमि पर विकसित किया जाएगा, जो अन्पैरलेल्ड कन्वीन्यन्स (सुविधा) और सीनिक ब्यूटी देने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है। प्रसिद्ध लग्ज़री होटल ब्रांड्स के साथ पार्टनरशिप करके, हैम्पटन यह सुनिश्चित करता है कि आर्किटेक्चरल डिज़ाइन, सुविधाएं और गेस्ट एक्सपीरियंस सोफिस्टिकेशन और एलिगेंस के हाईएस्ट स्टैंडर्ड को प्रतिबिंबित करेगा। सीमलेस ऑपरेशंस और इक्सेप्शनल सर्विस डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक कदम में, हैम्पटन एक लीडिंग ऑपरेशनल मैनेजमेंट कंपनी के साथ सहयोग सुरक्षित करने की भी योजना बना रहा है। यह रणनीतिक सहयोग यह सुनिश्चित करेगा कि होटल का संचालन विशेषज्ञों द्वारा प्रबंधित और नियंत्रित किया जाए, जिससे सभी मेहमानों के लिए बिना रुकावट और लग्ज़री स्टे की गारंटी होगी।

आईआईएम संबलपुर ने आयोजित किया उच्च शिक्षा संस्थानों के संकायों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

संबलपुर एजेंसी। राष्ट्रीय शैक्षिक नीति के अनुरूप आईआईएम संबलपुर ने मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमएमटीटीपी) के तहत 'भविष्य के नेतृत्व को बढ़ावा देने वाला कार्यक्रम' (एनएफएलपी) आयोजित किया। यह पांच दिवसीय आवासीय कार्यक्रम था, जिसे विभिन्न विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों को उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के भीतर प्रशासनिक और शैक्षणिक दोनों भूमिकाओं में प्रभावी नेतृत्व के लिए तकनीकी, प्रबंधकीय और पारस्परिक कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया था। इसका उद्देश्य प्रभावी नेतृत्व की व्यापक समझ विकसित करना, चुनौतियों की पहचान करना, संगठनों के प्रबंधन के लिए रणनीतिक सोच को प्रोत्साहित करना और क्रॉस-फंक्शनल समन्वय, विवादों का समाधान और आम सहमति बनाने के कौशल को बढ़ाना है।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत आईआईएम संबलपुर के निदेशक प्रो. महादेव जायसवाल के नेतृत्व में शैक्षणिक प्रशासन और 21वीं सदी की शिक्षा के लिए रणनीतिक नेतृत्व पर एक परिचयात्मक सत्र के साथ हुई। अपने संबोधन के दौरान, प्रो. जायसवाल ने व्यवसाय में रणनीति के महत्व पर जोर देने वाले प्रसिद्ध व्यवसाय सिद्धांतकार माइकल पोर्टर का उदाहरण देते हुए कहा, कई सफल कंपनियां, विशेष रूप से चीन और जापान में, रणनीतिक नवाचार के बजाय परिचालन दक्षता पर ध्यान केंद्रित करती हैं। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों को भी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। आईआईएम संबलपुर के निदेशक ने आगे कहा, शोध के साथ नवाचार और वैश्विक प्रतिभा को आकर्षित करके गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार करने पर और अधिक जोर देना होगा। इसके बाद प्रो. पद्मावती ढिल्लों का सत्र खुशहाल कक्षा के लिए कक्षा को मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित और अनुकूल बनानापर हुआ। दिन का समापन प्रो. दिवाहर सुंदर नादर द्वारा संस्थान के वित्त और बजट-निर्माण व वित्तीय प्रबंधन को समझनापर एक गहन सत्र के साथ हुआ।

ओप्पो ने 17,999 रुपये में ए3 प्रो पेश किया, जो ड्यूरेबिलिटी और क्वालिटी के नए मानक स्थापित कर रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने ओप्पो ए3 प्रो के लॉन्च की घोषणा की है, जो प्रीमियम डिज़ाइन के साथ ऑल-राउंड एंड्योरेंस के लिए तैयार किया गया है। इस नए ए-सीरीज़ स्मार्टफोन में ड्रॉप एवं इंपैक्ट रज़िस्टैंस के लिए डैमेजप्रूफ ऑल-राउंड आर्मर बॉडी, पानी एवं धूल के रज़िस्टैंस के लिए आईपी54 सर्टिफिकेशन, और गीले हाथों से उपयोग के लिए स्प्लैश टच टेक्नोलॉजी है। इसमें 120हर्ट्ज़ अल्ट्रा ब्राईट डिस्प्ले, एआई लिंकबूस्ट, एआई इरेज़र, और 5100 एमएएच की शक्तिशाली आईपर एनर्जी बैटरी लगी है, जो 45 वॉट के सुपरवूक फ्लैश चार्ज और चार साल से ज्यादा लंबी उम्र के साथ आती है।

ओप्पो ए3 प्रोकी डैमेजप्रूफ ऑल-राउंड आर्मर बॉडी में मजबूत आंतरिक संरचना और अनेक ड्रॉप रज़िस्टैंट सामग्री, जैसे स्क्रीन कवर के लिए ब्लू ग्लास डबल टैंपर्ड ग्लास है, जो फोन को रोजमर्रा के धक्कों और टूट-टूट से सुरक्षा प्रदान करता है। फोन के आंतरिक पुर्जों को धक्कों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए उनके चारों ओर बायोमिमेटिक स्पंज का गद्दा बनाया गया है। ए3 प्रोको अपनी अत्यधिक मजबूती के लिए एसजीएस ड्रॉप-रज़िस्टैंस सर्टिफिकेशन (स्टैंडर्ड) और एसजीएस मिलिटरी स्टैंडर्ड सर्टिफिकेशन दिया गया है। गिरने से सुरक्षा प्रदान करने के लिए ओप्पो ए3 प्रोबॉक्स में नए डिज़ाइन के एंटी-ड्रॉप शील्ड केस के साथ आता है। ओप्पो लैब्स में किए गए परीक्षणों में यह डिवाईस टंबल ड्रम में 450 रोटेशन तक सुरक्षित पाई गई, जिससे बिना केस की तुलना में इसके 200 प्रतिशत ज्यादा सुरक्षित होने का प्रदर्शन होता है। इसके अलावा, ओप्पो के स्प्लैश टच फीचर द्वारा फोन को गीले हाथों से उपयोग करना भी संभव हो गया है। इस टेक्नोलॉजी में एक टच चिप के अंदर आधुनिक टच डिटेक्शन एलगोरिद्म होती है, जो स्क्रीन के गीले होने पर टच की एक्युरेसी और रिस्पॉन्सिवनेस बढ़ा देती है। इसकी मदद से यूज़र्स खाना बनाते वक्त, शॉवर लेकर बाहर आते ही फौरन, या फिर ऐसी किसी भी स्थिति में, जब हाथ गीले हों, तब भी अपने फोन को ऑपरेट करना जारी रख सकते हैं। ओप्पो ए3 प्रोको वॉटर एवं डस्ट रज़िस्टैंस के लिए आईपी54 रेटिंग दी गई है, जिसका मतलब है कि यह रोजमर्रा की पानी की फुहार और धूल को सहन कर सकता है।

लियो1 और सेज ग्रुप की साझेदारी: फाइनेंशियल सॉफ़्टवेयर ऐज़ अ सर्विस से 20000 छात्रों को मिलेगा फीस पेमेंट में लाभ

भोपाल। देश की प्रमुख एडु-फिनटेक कंपनी लियो1 ने हाल ही में सेज ग्रूप (भोपाल और इंदौर) के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत फाइनेंशियल सॉफ़्टवेयर ऐज़ अ सर्विस (वित्तीय सास) टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए तीन परिसरों में लगभग 20,000 छात्रों के लिए वित्तीय संचालन को आधुनिक और डिजिटल बनाया जाएगा।

लियो1 के साथ, छात्रों को अपनी फीस आसान मासिक किस्तों में चुकाने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, छात्रों को नंबरलेस आईडी कार्ड दिए जाएंगे जिनसे वे टैप-इन पेमेंट कर सकेंगे। हर ट्रांजैक्शन पर छात्रों को लियो1 कोइन्स मिलेंगे, जिन्हें वे 150 से अधिक प्रमुख ब्रांड्स (जैसे कि फूड डिलीवरी, कपड़ो की शॉपिंग, ई-कॉमर्स, मनोरंजन और यात्रा) पर इस्तेमाल कर सकेंगे। कुछ मामलों में, छात्रों को अपनी फीस का 100 प्रतिशत तक लियो1 कोइन्स के रूप में मिल सकता है, जिससे फीस भुगतान में बड़ा फायदा होगा। इससे छात्रों और माता-पिता को समय पर फीस भुगतान करने की प्रेरणा मिलेगी जिसका लाभ सभी को होगा। लियो1 का सास समाधान नकद रहित संस्थानों को सक्षम बनाता है, डेटा को केंद्रीकृत करता है और फीस कलेक्शन और मैनेजमेंट को सरल एवं सुव्यवस्थित बनाता है। यह किसी भी डिवाइस पर कहीं भी और कभी भी कैंपस डेटा तक पहुंच प्रदान करता है। इससे संस्थान की ब्रांड इमेज भी मजबूत होती है, छात्रों का एडमिशन बढ़ता है और ड्रॉपआउट दरें कम होती हैं।

लियो1 के सीईओ और फाउंडर, रोहित गजभिए ने कहा, शिक्षा के क्षेत्र में फीस समय पर ना भर पाने की वजह से कई समस्याएँ आती हैं। हम लियो1 के माध्यम से इस समस्या का समाधान करना चाहते हैं। हमारे सिस्टम में हर भुगतान पर छात्रों को कॉइन्स मिलते हैं, जिनका उपयोग वे छूट और वाउचर के लिए कर सकते हैं। इससे छात्रों को अपनी फीस वापस पाने का एक अनोखा मौका मिलता है। हम सेज ग्रूप के साथ इस साझेदारी को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हमारा मानना है कि भोपाल और इंदौर के छात्र इस टेक्नोलॉजी का पूरा लाभ उठाकर अपने भविष्य को और बेहतर बना सकेंगे।

आईसीआईसीआई बैंक ने आईमोबाइल पे पर एक अनूठा सुरक्षा उपाय 'स्मार्टलॉक' पेश किया

मुंबई, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने आज घोषणा की कि उसने 'स्मार्टलॉक' लॉन्च किया है, जो एक अनूठा सुरक्षा उपाय है, जिससे उसके ग्राहक फ़ोन या ईमेल के ज़रिए ग्राहक सेवा अधिकारी की मदद लिए बिना, कई बैंकिंग सेवाओं को तुरंत लॉक/अनलॉक कर सकते हैं। आईमोबाइल पे पर उपलब्ध यह सुविधा ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई (बैंक खाते से जुड़े अन्य यूपीआई ऐप से भुगतान सहित), क्रेडिट और डेबिट कार्ड तक पहुँच को केवल एक बटन क्लिक करके लॉक/अनलॉक करने की शक्ति प्रदान करती है, जिससे उनके खाते की सुरक्षा उनके अपने हाथों में होती है। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अपनी तरह का पहला उपाय 'स्मार्टलॉक' ग्राहकों को संपूर्ण आईमोबाइल पे को लॉक/अनलॉक करने की भी अनुमति देता है। ग्राहक अपने खाते और कार्ड में संभावित धोखाधड़ी वाले लेन-देन के मामले में इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। वे ऐसा तब भी कर सकते हैं जब वे किसी निश्चित अवधि के दौरान किसी विशेष बैंकिंग सेवा का उपयोग नहीं करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति अपने कार्ड के साथ अपना बटुआ खो देता है या जब कोई व्यक्ति लंबे समय के लिए यात्रा कर रहा हो।

स्किन बाय टाइटन ने वित्तीय वर्ष 27 तक रु 500 करोड़ के राजस्व का लक्ष्य रखा, 10वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में लॉन्च किए रॉ इंस्टिंक्ट एवं सेलेस्टे बियॉन्ड

बेंगलुरु एजेंसी। अपने बेहतरीन परफ्यूम्स के लिए विख्यात जाने-माने फ्रैगरेन्स ब्राण्ड स्किन बाय टाइटन ने दो नए परफ्यूम्स- रॉ इंस्टिंक्ट एवं सेलेस्टे बियॉन्ड- के लॉन्च के साथ अपने एक दशक की सफलता का जश्न मनाया। इसके साथ कंपनी ने स्किन के दो सबसे ज़्यादा बिकने वाले प्रोडक्ट्स- रॉ एवं सेलेस्टे- को अपने तरीके से सम्मान दिया है, जो पिछले 10 वर्षों से फ्रैगरेन्स प्रशंसकों को लुभा रहे हैं। टाइटन ने अगले 2 सालों में अपने फ्रैगरेन्स कारोबार के लिए 6 मिलियन उपभोक्ताओं के साथ रु 500 करोड़ के आंकड़े को पार करने का लक्ष्य रखा है।

रॉ इंस्टिंक्ट एवं सेलेस्टे बियॉन्ड एक खिले-खिले दिन का सार हैं, जो बेहतरीन फ्रैगरेन्स का अनुभव देते हैं। पुरूषों के लिए पेश किया गया रॉ इंस्टिंक्ट बोल्ड स्पाइस एवं कूल मरीन का लुभावना संयोजन है जो समुद्र जैसी ताज़गी का अहसास देता है। यह

फ्रैगरेन्स स्पाइसेज़ की गर्माहट और समुद्र की ताज़गी का अनूठा तालमेल है। वहीं सेलेस्टे बियॉन्ड महिलाओं के लिए रहस्यमयी फ्रैगरेन्स है, इसकी खुशबू फूलों के गुलदस्ते जैसी महसूस होती है। यह जादूई परफ्यूम जैसमीन की कामुकता और पीच के फूलों के आकर्षण का बेहतरीन तालमेल है, जो वास्तव में मनमोहक खुशबू देता है। 'स्किन की दसवीं सालगिरह के मौके पर रॉ इंस्टिंक्ट एवं सेलेस्टे बियॉन्ड के लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है।' श्री मनीष गुप्ता, सीईओ, फ्रैगरेन्स एण्ड एक्सेसरी डिविज़न, टाइटन कंपनी लिमिटेड ने कहा।

हिलिओस ने अपने इंटरनेशनल ब्राण्ड पोर्टफोलियो का किया विस्तार ; लक्ज़री स्विस घड़ी निर्माता शैरियल को एक्सक्लुज़िव साझेदारी के द्वारा लाए भारत

नईदिल्ली एजेंसी। टाइटन कंपनी लिमिटेड की ओर से भारत के सबसे बड़े प्रीमियम वॉच रीटेलर हिलिओस ने एक्सक्लुज़िव साझेदारी के माध्यम से स्विस लक्ज़री घड़ी निर्माता शैरियल को भारत लाकर अपने इंटरनेशनल पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। अपने उत्कृष्ट शिल्पकौशल और प्राचीन सेल्टिक कलात्मकता के लिए विख्यात शैरियल अब हिलिओस के चालीस से अधिक विश्वस्तरीय ब्राण्ड्स के कलेक्शन की प्रतिष्ठित श्रेणी में शामिल हो गया है। बेन एण्ड कंपनी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत का लक्ज़री मार्केट 2030 तक अपने मौजूदा साइज़ से 3.5 गुना बढ़ जाएगा। भारत में लक्ज़री प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग, बढ़ते शहरीकरण, बढ़ती डिस्पोज़ेबल आय और तेज़ी से विकसित होते मध्यम एवं उच्च-मध्यम वर्ग के चलते हिलिओस प्रीमियमीकरण की दिशा में तेज़ी से बढ़ा है। यह कदम उपभोक्ताओं को ग्लोबल लक्ज़री ब्राण्ड्स का बेजोड़ पोर्टफोलियो उपलब्ध कराने और दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित घड़ियां उन तक पहुंचाने की ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एबिक्स इंक के अधिग्रहण के लिए इराया लाइफस्पेसेज के नेतृत्व वाले गठबंधन की योजना को स्वतंत्र निदेशकों से मिली मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। इराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड (बीएसई) यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त कर रही है कि एबिक्स इंक की संपूर्ण इक्विटी के अधिग्रहण के लिए इराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड के नेतृत्व में गठित गठबंधन द्वारा प्रस्तुत स्टॉकिंग हॉर्स योजना समर्थन समझौते को एबिक्स इंक के स्वतंत्र निदेशकों ने अनुमोदित कर दिया है। गठबंधन ने प्रक्रिया को आगे बढ़ाने हेतु आवश्यक 5 प्रतिशत नकद जमा राशि जमा कर दी है। कंपनी द्वारा इसे स्वीकार किए जाने पर, बोलीदाताओं और अन्य प्रमुख हितधारकों के बीच वार्ता के माध्यम से चैप्टर 11 योजना के अनुसार पुनर्गठन को क्रियान्वित किया जाएगा। यह योजना संयुक्त राज्य अमेरिका के दिवाला कानून के प्रावधानों के तहत दिवाला न्यायालय के अनुमोदन के अधीन होगी। स्टॉकिंग हॉर्स योजना प्रायोजक समझौते को एबिक्स इंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नेतृत्व में एबिक्स इंक के वरिष्ठ प्रबंधन का समर्थन प्राप्त है, और वे प्रायोजक योजना की सहायता से एबिक्स को चैप्टर 11 से बाहर निकालने के लिए लेनदारों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर कार्य करने के इच्छुक हैं।

इस प्रस्ताव में उत्तरी अमेरिकी कंपनी की सभी देनदारियों को छोड़कर, एबिक्स इंक की वैश्विक सहायक कंपनियों की संपूर्ण इक्विटी और परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का प्रावधान है, सिवाय उन देनदारियों के जिन्हें गठबंधन द्वारा स्पष्ट रूप से स्टॉकिंग हॉर्स समर्थन समझौते के माध्यम से चिह्नित किया गया है।

स्प्राइट एग्रो लिमिटेड का रु. 44.87 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 जून से खुलेगा

राइट इश्यू में शेयर 21 जून 2024 को प्रति शेयर रु. 45.69 की बंद कीमत की तुलना में प्रति शेयर रु. 13.4 पर पेश किए गए है

अहमदाबाद , एजेंसी। कृषि, कॉन्टैक्ट फार्मिंग, ग्रीनहाउस टेक्नोलॉजी सहित अन्य व्यवसायों में लगी अहमदाबाद स्थित स्प्राइट एग्रो लिमिटेड (बीएसई - 531205) का रु. 44.87 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 जून, 2024 को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुलेगा। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों सहित कंपनी की विस्तार योजनाएं के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 19 जून, 2024 को रु. 45.69 प्रति शेयर के बंद भाव की तुलना में रु. 13.4 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 12 जुलाई, 2024 को बंद हो जाएगा।

कंपनी रु. 1 के अंकित मूल्य के 3,34,84,611 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयर रु. 13.4 प्रति इक्विटी शेयर (रु. 12.4 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) की कीमत पर नकद में जारी करेगी, जिसका कुल मूल्य रु. 44.87 करोड़ होगा। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 1ः15 पर तय किया गया है (रिकॉर्ड तिथि 7 जून, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 15 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयरों के लिए रु. 1 के अंकित मूल्य का 1 राइट्स इक्विटी शेयर)। ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 8 जुलाई, 2024 है। रु. 44.87 करोड़ की इश्यू से मिलने वाली आय में से, कंपनी रु. 34.15 करोड़ कार्यशील पूंजी आवश्यकता के लिए और रु. 10.32 करोड़ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है। 1994 में स्थापित, स्प्राइट एग्रो लिमिटेड, जिसे पहले टाइन एग्रो लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, कृषि और वानिकी कार्यों का विकास करती है।

आर्मी इंफोटेक लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए 250 करोड़ जुटाने के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई , एजेंसी। आर्मी इंफोटेक लिमिटेड (कंपनी या एआईएल) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य 10 प्रत्येक) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए कुल निर्गम आकार के बराबर धनराशि जुटाने की योजना बना रही है, जिसमें 25,000 लाख [250 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है (कुल निर्गम आकार)। कंपनी सेक्टर एग्नस्टिक है और सरकारी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और निजी क्षेत्र दोनों के लिए विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर समाधान और आईटी प्रबंधित सेवा प्रदान करती है।

न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पुणे में शुरू किया बी.टेक सीएस और एआई कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। रिषीहुड विश्वविद्यालय के साथ अपने पहले सफल ऑन-कैंपस अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम के बाद, न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने पुणे में अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी की घोषणा की है। यह विशेष सहयोग भारत का पहला उद्योग-प्रेरित, वैश्विक बी.टेक डिग्री कार्यक्रम प्रदान करेगा, जिसमें कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल हैं। इस साझेदारी के माध्यम से हस्त्रा को भारत के सभी हिस्सों से भारी मात्रा में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। अब दक्षिण और पश्चिम भारत के छात्र भी इस उत्कृष्ट टेक शिक्षा का लाभ उठा सकेंगे।चार साल का यह आवासीय अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी की उच्च शिक्षा में क्रांति लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कार्यक्रम उन्नत उद्योग-संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करके छात्रों को भविष्य के टेक लीडर्स बनने के लिए तैयार करता है। अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी के बारे में बोलते हुए, न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के सह-संस्थापक सिद्धार्थ महेश्वरी ने कहा, रिषीहुड विश्वविद्यालय के साथ एनएसटी की सफलता ने हमें अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया है। एडीवायपीयू के साथ यह साझेदारी छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करेगी और उन्हें भविष्य के टेक लीडर्स बनने के लिए तैयार करेगी। हम छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं।

मेरे विकेटों का काफी श्रेय बुमराह को जाता है, कुलदीप चैम्पियन स्पिनर: अर्शदीप

जॉर्जटाउन (एजेंसी)। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की सटीक गेंदबाजी से बाकी भारतीय गेंदबाजों को बेहद दबाव के हालात में भी विकेट लेने का मौका मिल जाता है। अर्शदीप अब तक टी20 विश्व कप में 11.86 की औसत और 7.41 की इकॉनॉमी रेट से 15 विकेट ले चुके हैं। दूसरी ओर बुमराह ने 11 विकेट लिए हैं लेकिन उनका इकॉनॉमी रेट 4.08 ही रहा है। अर्शदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि काफी श्रेय जसप्रीत को जाता है क्योंकि वह बल्लेबाजों पर काफी दबाव बनाते हैं। वह तीन या चार रन ही एक ओवर में देते हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसे में मुझे सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है और विकेट लेने के कई मौके मिल जाते हैं। वे मेरे खिलाफ अधिक जोखिम लेने लगते हैं और फिर विकेट मिलने के मौके बन जाते हैं। इसलिए इसका ज्यादा श्रेय जसप्रीत को जाता है।%

स्पिनर कुलदीप यादव तीन मैचों में सात विकेट ले चुके हैं। उनके बारे में अर्शदीप ने कहा, 'कुलदीप चैम्पियन स्पिनर है। उसे जब भी मौका मिलता है, वह विकेट लेता है। वह टीम का अहम खिलाड़ी है और उम्मीद है कि वह आगे और भी विकेट लेगा। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के बारे में उन्होंने कहा, 'इस समय मैं कुछ अपेक्षा नहीं कर रहा हूं। हालात देखकर समझेंगे कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।

भारत की पुरुष और महिला तीरंदाजी टीमों ने हासिल किया ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा।

यूं रिटायर हुए आस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वार्नर

न गार्ड ऑफ ऑनर, न स्टैंडिंग ओवेशन, अद्भुत करियर का शर्मनाक अंत...

न्यूयार्क (एजेंसी)। कहते हैं शुरुआत भले ही खराब हो, लेकिन अंत शानदार होना चाहिए। हालांकि, यह बात क्रिकेट वर्ल्ड पर लंबे समय तक राज करने वाले महान ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर इस बात से वंचित रह गए। उनका 15 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर उस समय समाप्त हो गया जब सेंट विंसेंट में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल से बाहर कर दिया। अपने चाहने वालों के बीच हमबुल नाम से मशहूर वॉर्नर ने अपना आखिरी मैच भारत के खिलाफ गयाना में खेला और वह सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हो गए थे।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद ही किया था ऐलान - उन्होंने नवंबर में भारत पर विश्व कप के फाइनल में जीत के साथ अपना अंतिम वनडे खेला और जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेला। साथ ही उन्होंने ऐलान कर दिया था कि यह टी20 विश्व कप उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा। उन्होंने अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वापसी का दरवाजा भी खुला रखा है। हालांकि, ऐसा होता संभव नहीं लग रहा है। उनका टी20 विश्व कप बहुत अच्छा नहीं रहा था।

भारत के खिलाफ उनका अंतिम प्रदर्शन एंटी-क्लाइमेक्स था - इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के आखिरी मैच में उन्होंने छह गेंदों पर छह रन बनाए, जबकि अर्शदीप सिंह की गेंद पर स्लिप में सूर्यकुमार यादव ने एक अच्छा लो कैच लपका। उन्होंने हताशा में अपने दाहिने हाथ से अपने बल्ले पर मुक्का मारा, फिर सिर झुकाकर मैदान से बाहर चले गए। उन्हें नहीं पता था कि यह उनका आखिरी मैच होगा। न उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और न ही स्टैंडिंग ओवेशन था। किसी को उम्मीद नहीं थी कि अफगानिस्तान खेल कर देगा।

मैच के बाद विराट कोहली से करते दिखे थे बात - खेल के बाद उन्हें डेरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड के आउटफील्ड पर विराट कोहली से बात करते हुए देखा गया और जोश हेजलवुड ने कहा कि वॉर्नर को उनके साथियों द्वारा विदाई देने का समय अफगानिस्तान के बांग्लादेश के खिलाफ देर से खेले जाने वाले खेल के परिणाम पर निर्भर करेगा। हालांकि उन्होंने पहले ही वनडे और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन 2024 का टी20 विश्व कप उनका आखिरी विश्व कप था। हालांकि, वॉर्नर 2025 चैंपियन ट्रॉफी के लिए अपने देश की सेवाओं की आवश्यकता होने पर उपलब्ध रहेंगे।

ऐसा रहा डेविड वॉर्नर का इंटरनेशनल करियर - डेविड वॉर्नर ने 112 टेस्ट करियर में 44.60 की औसत से 8,786 रन बनाए हैं, जिसमें 70.19 का स्ट्राइक रेट है। इसके अलावा वनडे में उन्होंने 161 मैचों में 6,932 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के महानतम क्रिकेटरों में से एक के संन्यास लेने के साथ ही एक अध्याय समाप्त हो गया।

अख्तर ने की रोहित की तारीफ, कहा- काश वह आज 150 रन बनाते

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की और कहा कि 37 वर्षीय रोहित शर्मा ने मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। रोहित ने 224.39 की स्ट्राइक रेट से 41 गेंदों पर 92 रन बनाए। उन्होंने क्रीज पर अपने समय के दौरान 7 चौके और 8 छक्के लगाए। भारतीय कप्तान दुर्भाग्यशाली रहे कि 12वें ओवर में मिशेल स्टार्क की गेंद पर आउट होने के बाद सिर्फ आठ रन से शतक से चूक गए। अख्तर ने कहा कि भारतीय कप्तान ने मैच की पहली पारी में वही किया जो उन्हें करना चाहिए था और उन्होंने कहा कि वह रोहित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 150 रन बनाते देखना चाहते थे। अख्तर ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद भारत जिस अवसाद से गुजर रहा था, वह जुनून में बदल गया है। भारत ऑस्ट्रेलिया को हराना चाहता था। रोहित शर्मा ने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था। उन्होंने शानदार इरादे से खेला, जिस तरह से स्टार्क ने उन्हें आउट किया। काश वह आज 150 रन बनाते।

गौर हो कि टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया की एंट्री कंफर्म हो गई है। सेंट लुसिया के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के तहत खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया को 24 रन से विजयी मिली। रोहित शर्मा ने 41 गेंदों पर 92, सूर्यकुमार यादव ने 31, शिवम दुबे ने 28 और हार्दिक पांड्या ने 27 रन बनाकर स्कोर 205 तक पहुंचाया था। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने 76 तो मिचेल मार्श ने 37 रन जरूर बनाए लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 181 रन ही बनाए और 24 रन से मुकाबला गंवा दिया।

शाबाश पठान... विदेश मंत्री का राशिद खान को वीडियो कॉल, स्वागत की गजब तैयारी

काबुल (एजेंसी)। भले ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 की चैंपियन कोई भी टीम बने। लेकिन इसको याद अफगानिस्तान के दमदार प्रदर्शन के लिए किया जाएगा। किस तरह इस टीम ने अपने सामने बड़ी-बड़ी टीमों को घुटनों पर ला दिया। एक ही टूर्नामेंट में पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया। इसी के साथ सेमीफाइनल में भी पहली बार अपनी जगह बनाई। राशिद खान की कप्तानी वाली इस अफगानी टीम की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम। अफगानिस्तान ने अपने आखिरी मैच में बांग्लादेश को 8 रन से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। पूरा क्रिकेट जगत इस वक्त अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने की बधाई दे रहा है। ऐसे में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने भी अपनी टीम को खूब मुबारकबाद दी। सेमीफाइनल में पहुंचने की मुबारकबाद भी दी - राशिद खान एंड कंपनी के इतिहास रचने के बाद अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मवलवी आमिर खान ने टीम के कप्तान यानी राशिद खान से वीडियो कॉल पर बातचीत की। वह राशिद से पश्तो भाषा में बात कर रहे थे। उनके बात करने के तरीके से लग रहा था कि वह टीम के प्रदर्शन से काफी ज्यादा खुश हैं। विदेश मंत्री मवलवी आमिर खान ने राशिद खान और उनकी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने की मुबारकबाद भी दी।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को रोमांचक मैच में हराया - बांग्लादेश के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 115 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने टीम के लिए सर्वाधिक 43 रन की पारी खेली। हालांकि अफगानिस्तान की पारी के बाद मैच में बारिश हो गई, जिसके चलते बांग्लादेश की पारी से एक ओवर काटा गया और उनको 19 ओवर में 114 रन का टारगेट मिला। 114 रन के टारगेट का पीछा करते हुए बांग्लादेश की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई और वह 17.5 ओवर में 105 रन पर ऑल आउट हो गए। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान और नवीन उल हक ने 4-4 विकेट लिए। वहीं 1-1 विकेट फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को भी मिला।

रोहित शर्मा ने बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी की, बतौर कप्तान जीते सबसे ज्यादा मैच

आस्ट्रेलिया पर शानदार जीत

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। स्टार भारतीय बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा जीत के मामले में बाबर आजम के उल्लेखनीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रोहित शर्मा ने डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की 24 रन की जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

फिलहाल रोहित शर्मा ने टी20 प्रारूप में 60 मैच खेलकर भारत को 48 जीत दिलाई हैं। इस बीच पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 85 मैचों में मेन इन ग्रीन का नेतृत्व किया और 48 जीत हासिल करने में सफल रहे। युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा 20 ओवर के प्रारूप में अपनी टीम को 45 जीत दिलाने के बाद लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

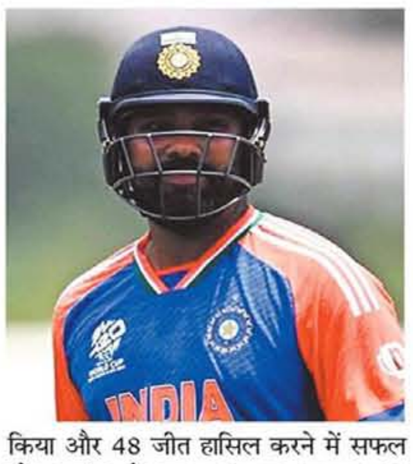

मैच की बात करें तो सेंट लुसिया के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के तहत खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया को 24 रन से विजयी मिली। रोहित शर्मा ने 41 गेंदों पर 92, सूर्यकुमार यादव ने 31, शिवम दुबे ने 28 और हार्दिक पांड्या ने 27 रन बनाकर स्कोर 205 तक पहुंचाया था। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने 76 तो मिचेल मार्श ने 37 रन जरूर बनाए लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 181 रन ही बनाए और 24 रन से मुकाबला गंवा दिया।

ऑस्ट्रेलिया से जीत के बाद बोले रोहित शर्मा, अर्धशतक या शतक मायने नहीं रखते

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। वह संभवतः रिकॉर्ड तोड़ शतक बनाने से चूक गए लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखती और उनका एकमात्र लक्ष्य गेंदबाजों को मैदान के चारों ओर शॉट लगाकर उन पर दबाव बनाना था। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में 41 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों से 92 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे भारत ने पांच विकेट पर 205 रन का मौजूदा टूर्नामेंट का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाकर 24 रन से जीत दर्ज की।

टी20 विश्व कप में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2016 में 47 गेंदों में तिहरा अंक छुआ था। रोहित इस रिकॉर्ड को तोड़ने के बिल्कुल करीब थे। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोहित ने कहा कि वह बस उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना चाहते थे जैसे अब तक करते आए हैं। रोहित ने मैच के बाद कहा, 'जब आप खुले दिमाग से खेलते हैं और सिर्फ एक शॉट के बारे में नहीं सोचते तो आप मैदान के सभी हिस्सों में रन बना सकते हैं। यह एक अच्छा विकेट था और आप शॉट खेलने के लिए खुद को तैयार करना चाहते हैं। मैं पिछले कुछ वर्षों से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं और मुझे खुशी है कि आज यह संभव हो पाया।

उन्होंने कहा, 'अर्धशतक और शतक मायने नहीं रखते, मैं बस उसी अंदाज से बल्लेबाजी करना चाहता था जैसे करता आया हूं। आप बड़ा स्कोर बनाना चाहते हैं।

आस्कर या एमी, गुलबदिन नायब के मैच के दौरान मैदान पर गिरने पर मचा बवाल

किंग्सटाउन (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने अपने खिलाड़ियों को धीमे खेलने का इशारा किया और फिर गुलबदिन नायब नाटकीय ढंग से कमर के बल गिर गए जिससे पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाया है कि क्या वह वाकई तकलीफ में थे। स्लिप में फील्डिंग कर रहे नायब ने 12वें ओवर में ऐंठन की शिकायत की।

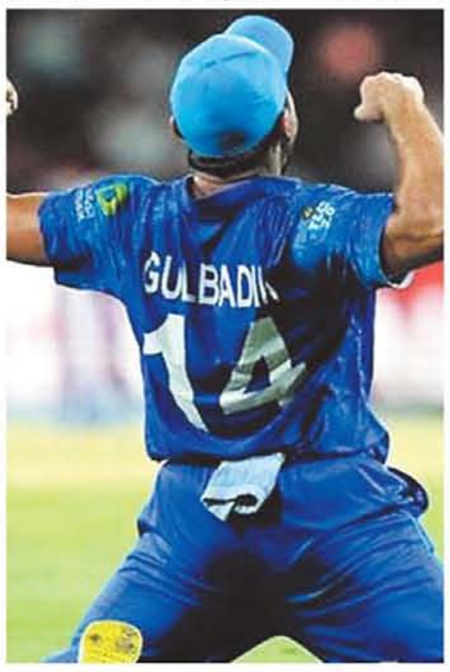

इससे पहले ट्रॉट को अपने खिलाड़ियों को खेल की गति धीमी करने का इशारा करते कैमरे पर देखा गया था चूंकि बारिश के कारण खलल पड़ने पर डकवर्थ लुईस प्रणाली से उनकी टीम आगे चल रही थी। मैच में कई बार बारिश के कारण बाधा पड़ी। उस समय बांग्लादेश सात विकेट पर 81 रन बना चुकी थी और 19 ओवर में 114 रन के संशोधित लक्ष्य से दो रन पीछे थी। अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके पहली बार विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाई।

साइमन डाउल ने कमेंट्री करते समय कहा, 'कोच संदेश दे रहे हैं कि धीमे हो जाओ और अचानक पहली स्लिप में खड़ा खिलाड़ी बिना वजह गिर जाता है। यह अस्वीकार्य है। जिम्बाब्वे के कमेंटेटर पॉमी एम्बांग्वा ने कहा, 'आस्कर या एमी' नायब को उपचार दिया गया और तेज गेंदबाज नवीनुल हक उन्हें मैदान से बाहर ले गए। इसके बाद फिर बारिश शुरू हो गई और खिलाड़ी डगआउट में चले गए। थोड़ी देर बाद खेल बहाल हुआ। नायब 13वें ओवर में मैदान पर लौट आये और 15वें ओवर में तंजीम हसन का विकेट भी लिया।

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने एक्स पर लिखा, 'गुलबदिन नायब को रेडकार्ड। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने लिखा, 'क्रिकेट की भावना जीवित है। यह देखकर अच्छा लगा कि क्रिकेट के इतिहास में गुलबदिन पहले क्रिकेटर बन गए जिन्होंने गिरने के 25 मिनट बाद आकर विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर इयान स्मिथ ने लिखा, 'पिछले छह महीने से मैं घुटनों के दर्द से परेशान हूं। अब मैच के बाद मैं सीधे गुलबदिन नायब के डॉक्टर के पास जाऊंगा। वह इस समय दुनिया का आठवां अजूबा है।

जिद की जीत... अफगानिस्तान के उस सपने की कहानी, जिसे पूरा होते ही आंखों से झर-झर गिरने लगे आंसू !

किंग्सटाउन (एजेंसी)। विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को 8 विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जैसे ही नवीनुल हक ने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर तस्कीन अहमद का विकेट लिया, उनके साथी खिलाड़ियों से लेकर स्टेडियम में मौजूद समर्थकों तक की आंखें भर आईं। कैरेबियाई सरजमीं से काबुल तक क्रिकेटप्रेमियों को भावविभोर करने वाली इस उपलब्धि का कयास क्रिकेट पंडित भी नहीं लगा सके थे।

बांग्लादेश को 11वें ओवर में सफलता मिली जब जदरान (29 गेंद में 18 रन) ने हुसैन की गेंद पर अपना विकेट गंवाया। विकेट से मिल रही मदद का पूरा फायदा उठाते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों ने रनगति बढ़ने नहीं दी। तस्कीन अहमद ने गुरबाज के सामने एक मैडन ओवर डाला जिसके बाद शाकिब अल हसन ने अगले ओवर में तीन ही रन दिए। गुरबाज ने 14वें ओवर में दो चौके समेत 13 रन निकाले। मुस्ताफिजूर रहमान और हुसैन ने दस गेंद के भीतर तीन विकेट निकालकर अफगानिस्तान के बड़ा स्कोर बनाने के मंसूबों पर पानी फेर दिया। कप्तान राशिद ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया।

युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश का दुनियाभर में जश्न - राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश की ऐसी टीम ने यह कारनामा कर दिखाया जिसके पास अभ्यास के लिए खुद का मैदान तक नहीं है। इस रोमांचक मुकाबले में पासा पल पल बदलता रहा लेकिन आखिर में बाजी राशिद खान के रणबांकुरों के नाम रही जिन्होंने इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर भी बांध दिया। अब सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी। इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया।

मैच में पल-पल बदलता रहा रोमांच - लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाए। शानदार फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज भी खुलकर नहीं खेल पाए और 43 रन बनाने के लिए 55 गेंदें खेल डालीं। जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 17.5 ओवर में 105 रन पर आउट कर दिया। राशिद खान ने 23 रन देकर और तेज गेंदबाज नवीनुल हक ने 26 रन देकर चार चार विकेट लिए। बांग्लादेश के लिए लिटन दास (नाबाद 54) अकेले किला लड़ते रहे। बारिश के कारण खेल कई बार रूका। अफगानिस्तान ने अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी सलामी जोड़ी के दम पर जीत दर्ज की है और आज भी कहानी वही रही। गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने 59 रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नयी गेंद से विकेट लिए।

कप्तान चला है सीना तान, राशिद का जबरदस्त रिकॉर्ड - शुरुआती विकेट लेने के आदी फारूकी ने तंजीद हसन को दूसरे ही ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद नवीनुल ने नजमुल हुसैन शांतो और शाकिब अल हसन के कीमती विकेट लिए। बांग्लादेश का स्कोर उस समय तीन विकेट पर 31 रन था जब बारिश के कारण खेल रूका। खेल बहाल होने पर पावरप्ले के छह ओवर में उसने तीन विकेट पर 46 रन बना लिए थे। ऐसे में राशिद ने गेंद संभाली और लगातार ओवरों में विकेट लिए। उन्होंने लगातार दो विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरे करके न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पछाड़ा। एक बार फिर बारिश से खलल पड़ा जब बांग्लादेश डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पीछे थी।

नवीन उल हक ने कर दिया सराबोर - ऐसे में अफगानिस्तान के हरफनमौला गुलबदिन नैब अचानक ऐंठन के कारण गिर पड़े जिसे खेल में विलंब करने का शिगूफा माना जा रहा है। उधर खेल बहाल होने पर लिटन ने स्क्वेयर लेग में चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। नवीनुल ने बांग्लादेश के 9वें और 10वें नंबर के बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर कैरेबियाई धरती से काबुल तक अपने प्रशंसकों को जश्न में सराबोर कर दिया। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के खिलाड़ी खुलकर खेल नहीं पा रहे थे।

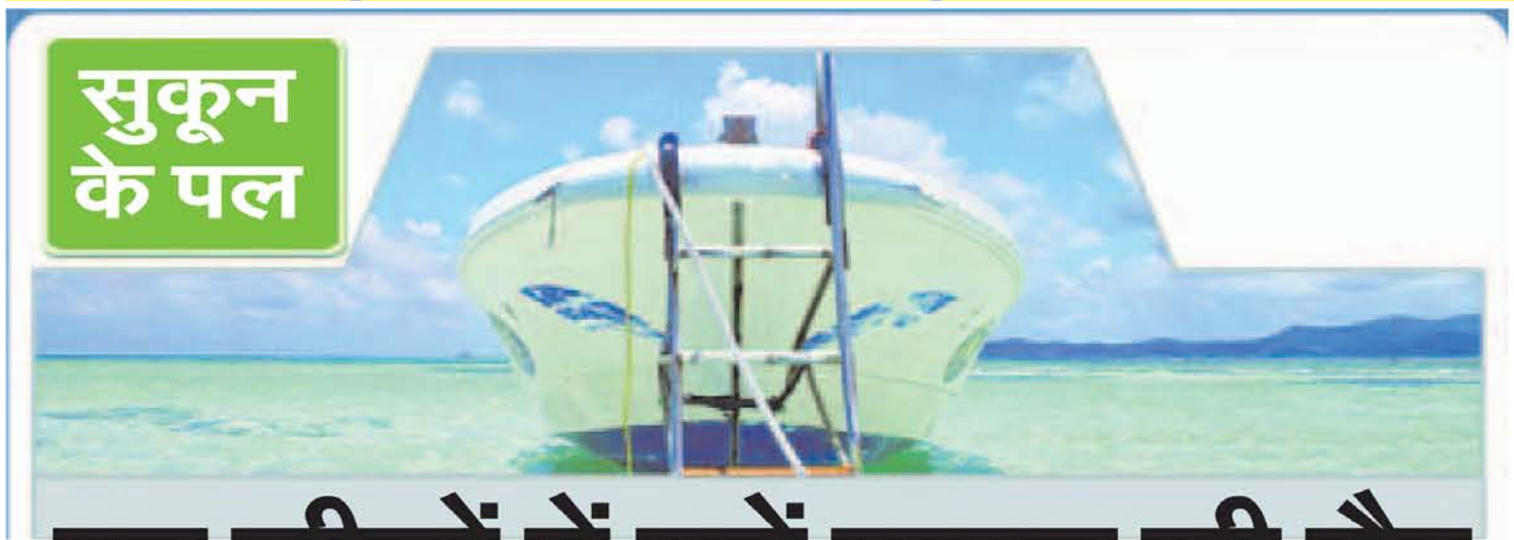

इन झीलों में करें सुकून की सैर

अगर आप बोटिंग के शौकीन हैं तो जरूर इन जगहों पर जाएं, जहां आप होंगे और आपके साथ होंगे आपके सुकून के पल।

भागदौड़ से भरी इस जिंदगी में अक्सर ऐसा एक पल आता है जब इंसान को सिर्फ और सिर्फ सुकून के पल की तलाश होती है। लगता है शहर की भीड़-भाड़ से कहीं दूर अकेले में वक्त बिताया जाए, खुद को रिफ्रेश करने के लिए यह बेहद जरूरी भी है और अगर ऐसे में आप बोटिंग के शौकीन हैं तो आपको जरूर इन जगहों पर जाना चाहिए। आप यहां बोटिंग का मजा भी ले सकते हैं और आपको प्रकृति के करीब भी आने का मौका मिल जाएगा, जहां आप होंगे और आपके साथ होंगे आपके सुकून के पल।

नैनीताल का नैनी झील

शुरूआत उत्तराखंड के खूबसूरत शहर नैनीताल स्थित नैनी झील से करते हैं, जो इस शहर के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। इस झील के नाम पर ही इस शहर का नाम नैनीताल पडा है। यह झील पहाडों के बीचों-बीच है। यह जगह इतनी खूबसूरत है कि यहां आकर आपका वापस जाने का मन नहीं करेगा। इस झील में बोटिंग करना आपको काफी पसंद आएगा।

हरियाणा की दमदमा झील

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं तो आपके लिए यह बहुत अच्छा विकल्प है। यह हरियाणा के गुडगांव जिले में अरावली की पहाडियों के बीच स्थित है और चारों तरफ हरियाली भी है। एडवेंचर पसंद करने वालों को यहां जरूर मजा आएगा। आप यहां रो बोट, पैडल बोट और मोटर बोट इत्यादि से बोटिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां जाने का सबसे अच्छा मौसम विंटर है, क्योंकि गर्मियों में अक्सर दमदमा झील सूख जाती है।

केरल की एलेप्पी व कुमारकोम झील

वैसे अगर बोटिंग की बात करें तो सबसे पहले दिमाग में केरल आता है। यहां एलेप्पी व कुमारकोम झील बोटिंग के लिए सबसे अच्छी जगह हैं। केरल में हाउस बोट काफी मशहूर हैं। अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर यहां सुकून के पल बिताना काफी शानदार रहेगा। आस-पास पानी और चारों तरफ शांति, क्या खूबसूरत वो पल होगा इसकी आप कल्पना कर सकते हैं। एसी और नॉन-एसी दोनों तरह के बोट यहां उपलब्ध हैं।

श्रीनगर की डल झील

कश्मीर की बेहद खूबसूरत वादियों के बीच श्रीनगर की डल झील का जिक्र करना कैसे भूल सकते हैं। यह भारत के मशहूर झीलों में शुमार है और इसकी खूबसूरत व खामोशी का तो हर कोई कायल है। इसीलिए यह बोटिंग के लिए भी बहुत मशहूर जगह है। यहां आकर आपको काफी सुकून मिलेगा और बोटिंग के साथ खूबसूरत वादियों को निहारने का अपना एक अलग ही मजा है।

उदयपुर की पिछोला झील

राजस्थान के उदयपुर शहर का यह झील ऐतिहासिक है। यहां पिछोली गांव के निकट इस झील का निर्माण राणा लाखा के काल (14वीं शताब्दी के अंत) में किसी बनजारे ने करवाया था। महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने इस शहर की खोज के बाद इस झील का विस्तार कराया था। झील में दो द्वीप हैं और दोनों पर महल बने हुए हैं। एक है जग निवास, जो अब लेक पैलेस होटल बन चुका है और दूसरा है जग मंदिर। आप यहां आसानी से बोटिंग का मजा ले सकते हैं। यहां सोलर पावर्ड मोटर बोट उपलब्ध हैं, ऐसे में आप इको-फ्रेंडली तरीके से बोटिंग कर सकते हैं।

बिजनेस टूर पर जाने से पहले ये चीजें कभी न भूलें

अक्सर एक्जीक्यूटिव्स को ट्रेवलिंग करनी होती है। एक तरह से यूं कहा जा सकता है कि उन्हें अपने लिए एक ट्रैवल बैग हमेशा तैयार ही रखना होता है, कई बार तो ट्रैवल प्लान इतनी जल्दी में बनता है कि आपको अपना बैग पैक करने के लिए भी समय नहीं मिलता है। ऐसे में अक्सर यूं किया जाता है कि एक ट्रैवलिंग बैग तैयार रहता है। एक एक्जीक्यूटिव को अपने बैग में क्या-क्या रखना चाहिए ताकि उसे अपनी यात्रा और अपने काम के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो? आइए देखें...।

महत्वपूर्ण दस्तावेज

अपना पासपोर्ट-वीजा, पर्सनल आईडी, कैश एंड क्रेडिट कार्ड, हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड, ट्रैवल इंश्योरेंस इंफॉर्मेशन, रिजर्वेशन और टिकट्स, होटल और टूर कॉन्टेक्ट्स के नंबर, इमरजेंसी कॉन्टेक्ट्स और महत्वपूर्ण पते। इसके अतिरिक्त ऑफिशियल दस्तावेज जो आपकी मीटिंग्स और प्रोजेक्ट्स के लिए जरूरी हैं। पेन ड्राइव में भी अपने दस्तावेजों को सहेजकर रख सकते हैं। लाने-ले जाने में आसानी होती है। अपने पासपोर्ट और दूसरे दस्तावेजों की एक्सपायरी भी लगे हाथ देख ही लें। यदि विदेश में यात्रा कर रहे हैं तो अपने महत्वपूर्ण दस्तावेजों की एक सॉफ्ट कॉपी रखें। चाहें तो उसे ई-मेल में ही सेव कर लें। साथ ही एक फोटो कॉपी भी रखें।

व्यक्तिगत देखभाल का सामान

कपडों में यह ध्यान रखें कि आप किस तरह के मौके पर जा रहे हैं। जहां जा रहे हैं, वहां का मौसम कैसा है? और आपको वहां कितने दिन रहना है और कितनी ऑफिशियल मीटिंग्स अटैंड करनी है। इस हिसाब से अपने कपडों की संख्या निर्धारित करें। यदि संभव हो, तो मिक्स-एंडमैच भी कर सकते हैं। एक ही शर्ट को दो अलग-अलग सूट्स के साथ इस्तेमाल कर सकते हैं। या एक ही टाई को दो अलगअलग शर्ट-सेट के साथ यूज कर सकते हैं। ऐसा ही कुछ आप अपने फुटवेयर और एक्सेसरीज के साथ भी कर सकते हैं। यदि आपको बहुत फॉर्मल मौकों पर नहीं जाना है तो कोई जरूरी नहीं है कि आप सूट्स अपने साथ रखें। एकाध पेयर रख सकते हैं। बाकी आप कैजुअल्स रखें। इसमें भी यदि दो-तीन बेसिक जींस और बाकी टी-शर्ट्स रखेंगे तो लगेज बहुत वजनी नहीं होगा। यह भी ध्यान रखें कि आपको एक से अधिक जगहों की यात्रा करनी है तो कपडों और एक्सेसरीज की प्रकृति अलग-अलग भी हो सकती है। सामान कम रखेंगे तो यात्रा सरल होगी।

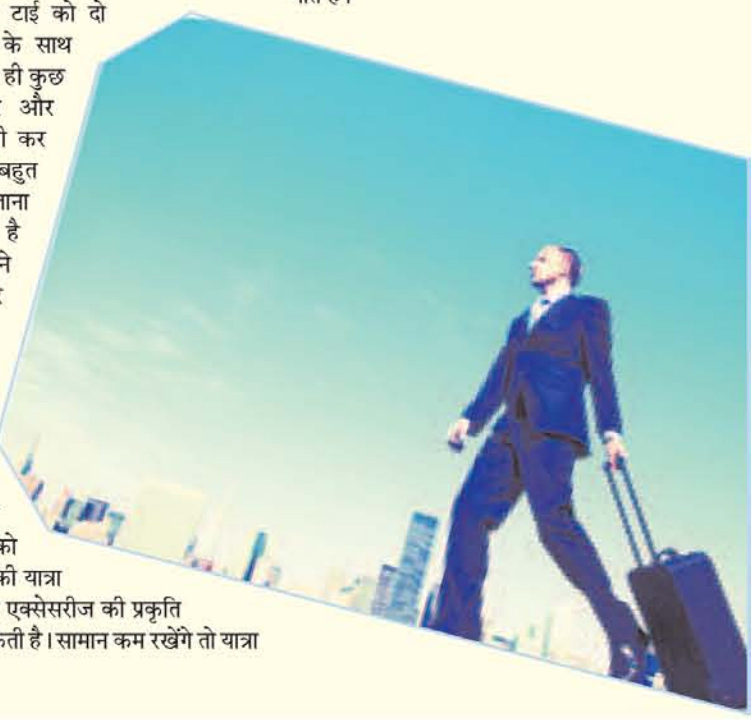

टॉयलेटरीज

कुछ ऐसी चीजें हैं, जो आम तौर पर होटल आपको ऑफर नहीं करते हैं। जैसे हेयर जेल, परफ्यूम्स, डियोडरेंट्स। यदि महिलाएं सफर पर हैं तो फिर उनका बेसिक मेकअप किट, हेयर स्टाइलिंग किट...। यदि आप ब्रांड ऑब्सेस्ड हैं, तो बेहतर होगा कि अपना ब्रांड अपने साथ ही लेकर जाएं।

दवाइयां

यदि आप किसी तरह की टेबलेट्स लेते हैं तो उन्हें अपने साथ जरूर रखें। कुछ ऐसी दवाइयां जो आम तौर पर आपके काम आ सकती हैं, कुछ पेनकिलर्स... एंटी एसीडिटी मेडिसिन्स, एंटी एलर्जिक क्रीम, पेनकिलर स्प्रे। कई बार आपका होटल शहर से इतनी दूर होता है कि सामान्य-सी दवाइयां भी आपको उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। इसलिए अपनी जरूरत भर दवाईयां जरूर रख लें।

इलेक्ट्रॉनिक्स

मोबाइल व उसका चार्जर, आईपैड या ई-रीडर व चार्जर, हेडफोन्स, कैमरा और चार्जर, इलेक्ट्रिकल कन्वर्टर और एडेप्टर याद से साथ रखें। इसके अतिरिक्त ट्रैवल पिलो, ब्लैंकेट, आईमास्क और ईयर प्लग आप यात्रा में अपनी सुविधा के लिए साथ रखें। पढने के लिए किताबें या फिर पत्रिकाएं, नई जगह जा रहे हैं तो उस जगह की ट्रैवल गाईड और मेप। हैंड सैनिटाइजर या फिर वेट वाइप्स, यदि नजर के चश्मे की जरूरत है तो एक अतिरिक्त सेट। वैसे तो आजकल होटलों में वाई-फाई उपलब्ध करवाया जाता है, लेकिन यदि आपका सारा काम ही इंटरनेट बेस्ड है तो जरूरी है कि आपके पास इंटरनेट कार्ड या डोंगल हो। कई बार होटलों के वाई-फाई की स्पीड इतनी कम होती है कि आप अपना काम ठीक से नहीं कर पाते हैं।

घर को इस तरह भी बनाएं खूबसूरत

घर के अंदर अकसर लोग कमरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए तरह-तरह के प्राकृतिक और आर्टिफिशियल प्लांट्स लगाते हैं। बहुत से लोगों को बगीचे या ड्रॉइंग रूम में कोकोनट पाम लगाने का भी शौक होता है। ऐसे प्लांट्स अकसर बीच या समुद्री तटों पर ही मिलते हैं। अगर आपका मन करता है कि आपके घर में भी ये प्लांट्स हों तो उसकी ठीक तरह से देखभाल करें और उसे वे सारे तत्व प्रदान करें, जो उसे ट्रॉपिकल जगहों पर मिलते हैं। पौधे का रखरखाव और पानी की ठीक मात्रा का ध्यान रख कर आप इसकी जिंदगी बढ़ा सकते हैं।

1. जब भी कोकोनट पाम खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें कि पौधा स्वस्थ होना चाहिए। पौधे में कोई भी सूखी डाली न हो। पौधा पूरी तरह से हरा-भरा हो, तभी उसे खरीदें।

2. कोकोनट पाम के लिए गीली रेतीली मिट्टी अच्छी रहती है लेकिन रेतीली मिट्टी न हो तो साधारण मिट्टी में ही थोड़ी रेत मिलाकर पौधा लगा सकते हैं। इससे पौधे की उम्र बढ़ जाएगी।

3. ट्रॉपिकल प्लांट होने की वजह से इसे सूर्य की रोशनी ज्यादा चाहिए। इस प्लांट को थोड़ी देर धूप जरूर दिखाएं।

4. इन पौधों को बहुत ज्यादा नमी की जरूरत होती है। ठीक तरह से नमी न पहुंच पाने पर ये पौधे खराब भी हो सकते हैं। इसलिए दिन में दोबार पौधे में थोड़-थोड़ा पानी देते रहें, क्योंकि यह पौधा इंडोर में रखा जाना है तो पानी देते वक्त ध्यान रखें कि पॉट पूरी तरह से भरा हुआ न हो। यानी मिट्टी की ऊपरी सतह हमेशा गीली भी न दिखे और इतना पानी भी न डालें कि आपका फर्श खराब हो जाए।

घर सजाते समय मत कीजिए ये गलतियां

घर को सजाने की चाह में कई बार रचनात्मकता अपना कमाल दिखाती है मगर कभी-कभी गलतियां भी हो जाती हैं। फ्लैट छोटा हो और फर्नीचर बड़ा, पेंडेंट लाइट्स ज्यादा ऊपर हों, रग्स का सही चुनाव न किया जाए तो घर बेमेल सा नजर आने लगता है। थोड़ी समझदारी बरतें तो इन गलतियों से बचा जा सकता है या इन्हें सुधारा जा सकता है।

परदे

डेकोरेशन का नियम कहता है कि पर्दे फ्लोर लेंथ से लगभग एक इंच कम हों। कई बार ये या तो फर्श को छूने लगते हैं या फिर कुछ ज्यादा ही छोटे हो जाते हैं। डेकोर की यह आम समस्या है।

टिप

बेहतर होगा कि पहले दरवाजे या खिड़कियों की नाप सही ढंग से लें। अगर फैब्रिक सिल्क का नहीं है तो हाइट थोड़ी ज्यादा रखें क्योंकि कई बार कॉटन फैब्रिक धोने के बाद सिकुड़ जाता है। वैसे इस समस्या से बचने के लिए इन्हें ड्राईक्लीन कराएं या फिर घर में धोने के बाद अच्छी तरह इस्तरी करें।

फोटो फ्रेम्स

कई बार फैमिली फोटो फ्रेम्स या पेंटिंग्स की हाइट इतनी ऊंची हो जाती है कि उनकी डिटेलिंग समझ नहीं आती। ग्रुप में लगे फ्रेम्स अच्छे जरूर लगते हैं लेकिन इतने भी नहीं कि पूरी दीवार पर यही नजर आने लगें।

टिप

अगर घर में आर्ट गैलरी न खोलना चाहती हों तो फ्रेम्स को ज्यादा हाइट पर न लगाएं। इन्हें फर्नीचर से 10-12 इंच या फ्लोर से लगभग 5 फिट ऊपर लगाएं ताकि ये आसानी से नजर आ सकें। व्यावहारिक सुझाव यह है कि फ्रेम्स इतने ऊपर हों कि सामान्य हाइट वाला व्यक्ति भी इन्हें देख सके और लोगों को अपनी गर्दन को स्ट्रेच करके इन्हें न देखना पड़े।

कार्बन कॉपी

सभी लोग किसी न किसी इंटीरियर थीम से प्रेरित होते हैं। दोस्तों, कलीग्स के घरों के अलावा फिल्मों-टीवी सीरियल्स और पत्रिकाओं में प्रकाशित घर भी उन्हें प्रेरित करते हैं। कई बार वे वैसी ही सजावट अपने घर में चाहते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि अपने घर को दूसरे के घरों की कार्बन कॉपी बना दें। घर में अपनी निजी पसंद, शौक, व्यक्तित्व, प्रोफेशन और स्टाइल की झलक भी मिलनी चाहिए।

टिप

किसी से प्रेरित होने से पहले सोचें कि क्या वह खास पैटर्न, फर्नीचर, फैब्रिक या वॉल कलर आपके घर के साइज, जरूरतों और उसमें रहने वालों की पसंद के अनुरूप है? घर में अपने व्यक्तित्व और रचनात्मकता की छाप होनी चाहिए। यह बात जरूर ध्यान में रखें कि घर रहने के लिए होता है। उसे इतना न सजाएं कि वह फाइव स्टार होटल में तब्दील हो जाए।

लाइटिंग

अमूमन घरों में सीलिंग या ओवरहेड लाइटिंग की व्यवस्था होती है। यूं भी फ्लैट सिस्टम में बिल्डर जितना देता है, उतने में ही संतुष्ट होना पड़ता है मगर कई बार लाइटिंग की अपर्याप्त व्यवस्था घर को नीरस या उदासीन बना देती है। इसलिए सीलिंग लाइट्स के अलावा भी घर में लाइटिंग की उचित व्यवस्था करें।

टिप

थोड़ा सा मेकओवर घर को जीवंत और ऊर्जा से भरा हुआ बना सकता है। घर की लाइटिंग में फेरबदल करें। फॉल्स सीलिंग के अलावा फ्लोर लैंप्स, पेंडेंट लाइट्स, टास्क लाइटिंग और ओवरहेड लाइटिंग लगवाएं। जिन आर्ट पीसेज या पेंटिंग्स को हाइलाइट करना चाहते हैं, उनमें हाइलाइटर लगवाएं।

दीवार से सटे फर्नीचर

स्पेस मैनेजमेंट कहें या सजावट का पारंपरिक तरीका, अमूमन घरों में फर्नीचर को दीवार से सटाने का नियम चला आ रहा है। कई घरों में तो सेंटर टेबल भी सेंटर के बजाय दीवार से सटा कर रखी जाती है। इस फ्लोर प्लैन में थोड़ा सा बदलाव जरूरी है।

टिप

भले ही घर छोटा हो, अपने सारे फर्नीचर्स दीवार से सटा कर न रखें। दीवार से 2-3 इंच दूरी पर सामान रखेंगे तो न सिर्फ जगह ज्यादा खुली दिखेगी बल्कि फर्नीचर और दीवार की खूबसूरती भी निखर कर आएगी।

ड्रॉइंग रूम

अमूमन घरों में लिविंग स्पेस या ड्रॉइंग रूम के डेकोर पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। कारण यह है कि मेहमानों का स्वागत यहीं होता है।

इस कारण कई बार ड्रॉइंग रूम में सारी सुंदर कलाकृतियां, देश-विदेश से खरीदी गई पेंटिंग्स या आर्ट पीसेज, कार्पेट्स, रग्स, लैंप्स, अवॉर्ड्स गिफ्ट्स सजा दिए जाते हैं। छोटे से स्पेस में इतने फोकल पॉइंट्स न तैयार करें कि नजर कहीं भी ठहर न पाए।

टिप

जरूरी नहीं कि सारे फोटो फ्रेम्स ड्रॉइंग रूम में लगा दें, सीढियों के नीचे या पैसेज में भी इन्हें लगवा सकते हैं। अवॉड्र्स को शोकेस करना चाहते हैं तो बार को डाइनिंग एरिया या कमरे के किसी दूसरे कॉर्नर पर शिफ्ट करें।

मिर्जापुर के लोकप्रिय होने से पहले हम सिर्फ 'कलाकार' थे

मिर्जापुर सीरीज में कालीन भैया का किरदार निभाने वाले फेमस एक्टर पंकज त्रिपाठी ने कहा कि शो के चर्चित होने से पहले उन्हें और अन्य सितारों को सिर्फ एक कलाकार के रूप में जाना जाता था। पंकज ने कहा कि मिर्जापुर ने मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से इंटरव्यू के दौरान पत्रकार अक्सर हमें स्टार कास्ट कहकर बोलते हैं, लेकिन मिर्जापुर के वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होने से पहले, हम केवल शो के कास्ट थे। कलाकारों में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पैनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा भी शामिल हैं। पंकज आज जिस स्टारडम का आनंद ले रहे हैं, उसका श्रेय मिर्जापुर को देते हैं। उन्होंने कहा कि यह मिर्जापुर ही है, जिसने हमें स्टार बना दिया। सीजन-1 के बाद, प्रशंसकों, खासकर महिलाओं से मुझे जो प्रतिक्रिया मिली, उसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। इससे मुझे एहसास हुआ कि कालीन भैया किसी भी अन्य डॉन से अलग है, जिसे भारतीय दर्शकों ने कभी सेल्युलाइड पर देखा है।

पंकज ने कहा कि पारंपरिक माफिया और डॉन के विपरीत, वह प्रभावी रूप से मृदुभाषी, नैतिक और भरोसेमंद होने का दिखावा करते हैं। कालीन भैया कोई आम अपराधी नहीं है, यही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। हम इंसानों के कई पहलू होते हैं और कालीन भैया इसका सटीक चित्रण हैं। 2018 में शुरू हुई इस सीरीज के पहले सीजन में पंकज के किरदार अखंडानंद त्रिपाठी को दिखाया गया है, जिसे कालीन भैया के नाम से जाना जाता है, जो उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के मिर्जापुर में एक खूंखार गैंगस्टर है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित मिर्जापुर सीजन 3 का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। दस एपिसोड की यह सीरीज 5 जुलाई को प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से प्रीमियर होगी। फिल्मों की बात करें तो पंकज अगली बार अमर कौशिक की हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 में नजर आएंगे। यह फिल्म 2018 की फिल्म स्त्री का सीक्वल है, जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने अभिनय किया है।

बड़े हीरो के साथ काम करने में कंफर्टेबल नहीं थी

ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में बॉलीवुड में अपने स्ट्रगलिंग फेज और चुनौतियों पर बात की। उन्होंने ये भी कहा कि बड़ी उम्र के हीरो के साथ ऑनस्क्रीन रोमांस करने में उन्हें कितना अनकंफर्टेबल महसूस होता है। एक इंटरव्यू में ईशा ने कहा कि ऐसा करने पर उन्हें लगता था कि जैसे वो अपने पिता को गले लगा रही हैं।

इंटरव्यू में ईशा ने कहा, अपने से 30 या 20 साल बड़े हीरो के साथ काम करने में अनकंफर्टेबल लगता था । मैं भी जब फिल्मों में काम करती थी तो काफी असहज हो जाती थी। बड़े हीरो के साथ काम करने में पार्टनर या लवर को गले लगाने की फीलिंग नहीं आती बल्कि ऐसा लगता है जैसे आप अपने पिता को गले लगा रहे हो। मुझे तो ऐसा ही लगता था। मैं तब नई थी, मुझे लगता था फिल्मों में ऐसा ही होता होगा। फिर खुद को समझाती थी कि आपको अपने पार्ट पर फोकस करना चाहिए न कि किसी की उम्र पर।

ऑडियंस बेवकूफ नहीं है

ईशा ने सीनियर एक्टर्स के यंग एक्ट्रेसेस के साथ ऑनस्क्रीन रोमांस पर कहा, सीनियर एक्टर्स को समझना चाहिए कि अब वो कैसे दिखते हैं और फिर उसके मुताबिक रोल चुनने चाहिए। मैं उम्मीद करती हूं कि अब इसमें बदलाव हो क्योंकि ऑडियंस बेवकूफ नहीं है। मैंने थिएटर में ऑडियंस को कहते हुए सुना है, ये कितना बुड्ढा लग रहा है, घर पे बैठ, अपनी बेटी की उम्र की लड़की के साथ रोमांस कर रहा है। ऑडियंस बिंदास वो बात कहती है जो कि सच है। सोशल मीडिया की वजह से अब सबको सच पता चल जाता है। ईशा खल्लास गर्ल नाम से मशहूर हुई ईशा ने 1998 में आई तमिल फिल्म काढ़ल कविताई से डेब्यू किया था। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड भी मिला था। ईशा ने 2000 में आई फिल्म फिजा से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में करिश्मा कपूर और ऋतिक रोशन मुख्य भूमिकाओं में थे। वो अब तक कन्नड, तेलुगु, तमिल, मराठी और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी है।

खुद को निगेटिविटी से दूर रखते हैं कार्तिक आर्यन

एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों फिल्म चंदू चैंपियन' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म से एक्टर को ना सिर्फ दर्शकों का प्यार मिल रहा है। बल्कि इंडस्ट्री के लोग भी कार्तिक आर्यन के काम की सराहना कर रहे हैं। जबकि एक समय इंडस्ट्री में उनके बारे काफी निगेटिव बातें होती थी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कार्तिक ने बताया कि वो निगेटिविटी से खुद को कैसे दूर रखते हैं। कार्तिक आर्यन ने कहा- मैंने निगेटिविटी से अलग रहने की कला सीख ली है। फालतू बातों पर ध्यान देने के बजाय सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं। मेरा मानना है कि आप का काम बोलता है। मैं अपने काम के जरिए जवाब देना पसंद करता हूं। करण जौहर के साथ विवाद और संदीप सिंह के आरोप तक कार्तिक आर्यन चुप रहे। उन्होंने कहा- मैं बोलकर किसी को भी जवाब नहीं देता हूं। मैं अपने काम के जरिए जवाब देना पसंद करता हूं। मैं चुप रहकर सब सुनता हूं। इसमें बहुत ताकत होती है। चंदू चैंपियन' देखने के बाद करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक स्टोरी शेयर की थी। उन्होंने चंदू चैंपियन का एक पोस्टर शेयर करते हुए कार्तिक आर्यन और डायरेक्टर कबीर खान की तारीफ थी।

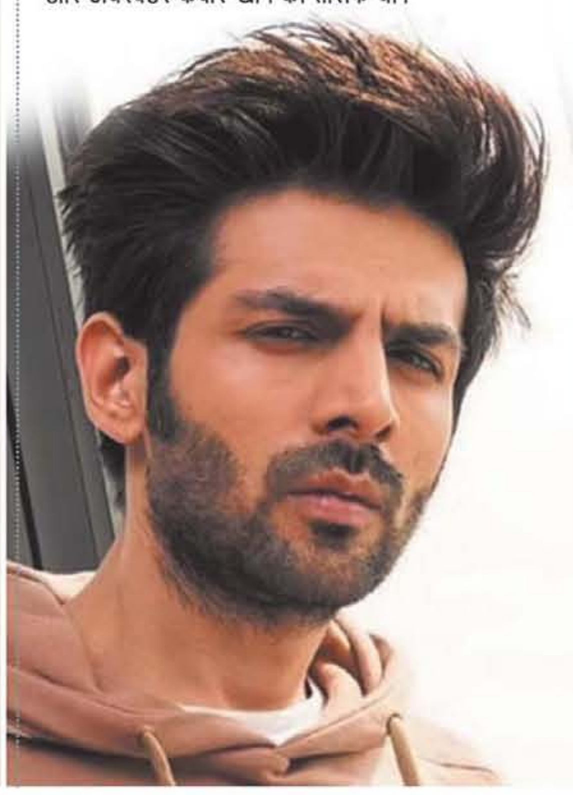

ओटीटी पर काम करके खुश हैं सुचित्रा

सुचित्रा पिल्लई बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। साथ ही साथ उन्होंने की टीवी शो में भी काम किया है। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान वे टीवी में भूमिकाओं के बारे बारे बातें करते हुए बोलीं, मैं टीवी पर निगेटिव रोल निभा कर थक गई थी। कुछ नया करने को नहीं मिल रहा था। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सुचित्रा पिल्लई इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। पिछले दिनों वे ब्रोकन न्यूज 2 में नजर आई थीं। इस शो में को दर्शकों को उनका किरदार काफी पसंद आया है। हाल ही में अभिनेत्री एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड में अपने करियर और ओटीटी पर अपनी नई शुरुआत के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं।

सुचित्रा पिल्लई अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं अब 53 साल की हो चुकी हूं, लेकिन पिछले तीन साल में मैंने जितना काम किया है उतना तो मैंने 20 साल की उम्र में नहीं किया था। मैं ओटीटी का धन्यवाद देना चाहती हूं कि मुझे इस उम्र में इतनी अलग-अलग भूमिकाएं निभाने को मिल रही हैं। यहां पर मुझे जो भूमिकाएं मिल रही हैं वे सब महिला प्रधान भूमिकाएं हैं। यहां मुझे मेरे टैलेंट को दिखाने का मौका मिल रहा है।

ब्रोकन न्यूज 2 का हिस्सा बनकर खुश हूं

सुचित्रा पिल्लई को हाल में ब्रोकन न्यूज के दूसरे सीज़न में देखा गया था। इस शो में सोनाली बेंद्रे और जयदीप अहलावत के साथ नजर आई थीं। इस शो के बारे में बातें करते हुए अभिनेत्री कहती हैं, मैं इस शो का हिस्सा बनकर काफी खुश हूं। ऐसे शो का हिस्सा बनना बहुत अच्छा है जिसका लोग सम्मान करते हैं और इतनी तारीफ करते हैं। ओटीटी पर काम करते हुए मैंने महसूस किया है यहां कोई ईगो की लड़ाई नहीं होती है। सब प्यार से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं। यहां का माहौल काफी सकारात्मक है।

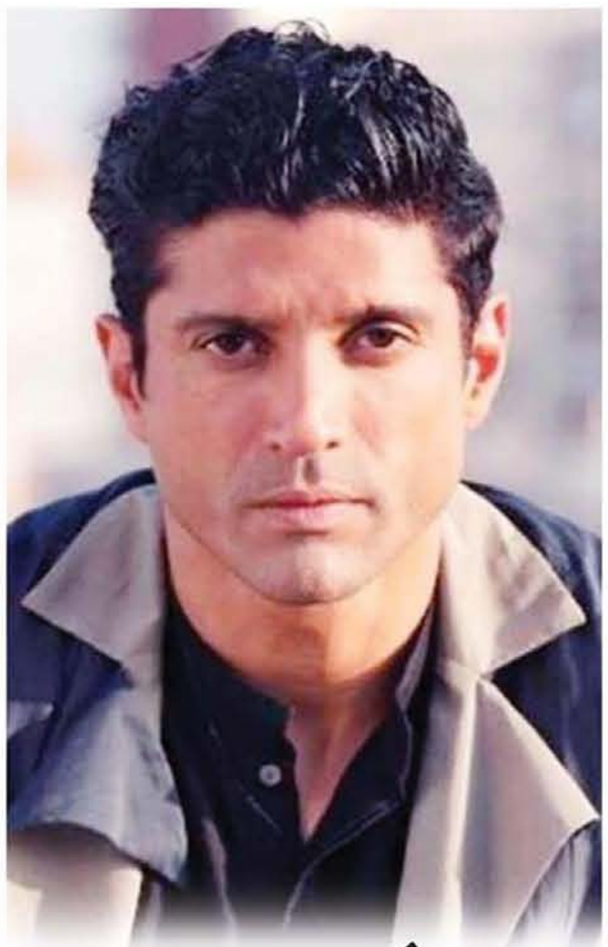

शाहरुख खान के साथ फिर हाथ मिलाएंगे फरहान अख्तर

एक्टर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर फरहान अख्तर ने इंडस्ट्री के कई कलाकारों के साथ काम किया है। शाहरुख खान के साथ वह फिल्म डॉन लेकर आए। फिल्म की दोनों कड़ी खूब हिट रहीं और अब दर्शकों को इसकी तीसरी कड़ी का इंतजार है। डॉन फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों में शाहरुख खान नजर आए। लेकिन, तीसरी फिल्म में उनकी जगह रणवीर सिंह ने ली है। ऐसे में किंग खान के फैंस यह जानना चाहते हैं कि फरहान अख्तर अब शाहरुख खान के साथ कब फिल्म लेकर आएंगे। इस पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी है।

कुछ ऐसा विषय खोज लेंगे

हाल ही में पिंकविला के साथ बातचीत में फरहान अख्तर ने शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे निश्चित रूप से कुछ ऐसा ढूंढ लेंगे, जिस पर वे और शाहरुख खान एक साथ काम करना चाहेंगे। उन्होंने शाहरुख के साथ काम करने का विश्वास जताया और कहा कि हम ऐसा कुछ विषय जरूर ढूंढ लेंगे।

किंग खान फरहान के साथ पहले कर चुके हैं काम

शाहरुख खान ने वर्ष 2006 में आई फरहान अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म डॉन में काम किया। फिर 2011 में आई डॉन 2 में काम किया। शाहरुख खान ने फरहान अख्तर के प्रोडक्शन की फिल्म लक बाय चांस में भी गेस्ट रोल अदा किया। इसमें फरहान अख्तर भी नजर आए थे। इसके अलावा शाहरुख खान की 2017 में आई फिल्म रईस में भी फरहान अख्तर की निर्माता कंपनी सह-निर्माता थी।

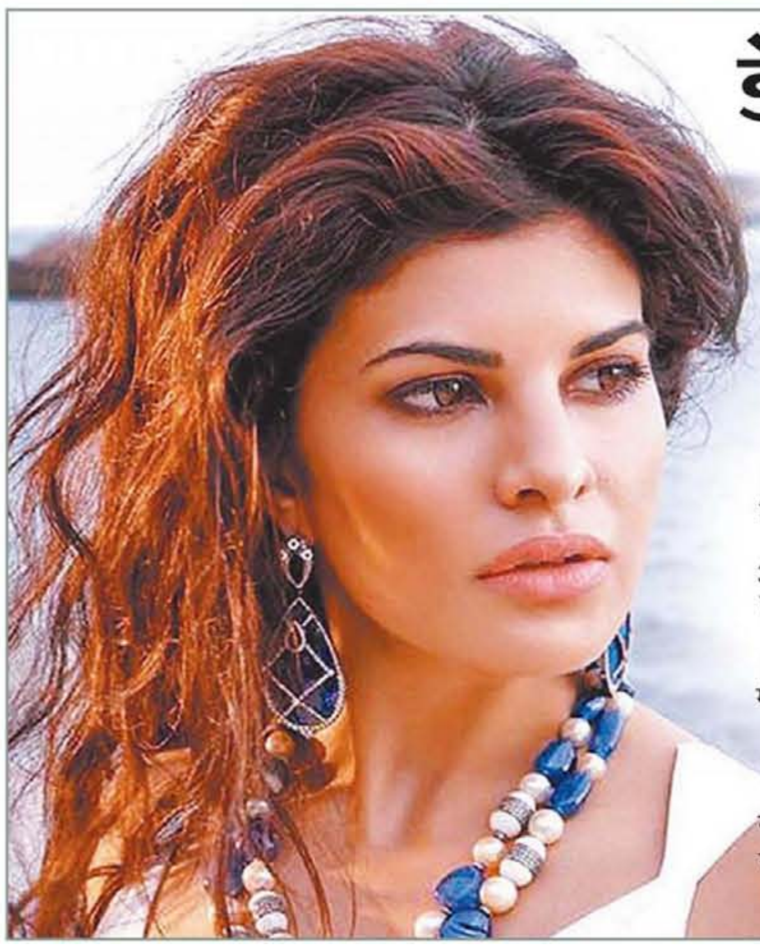

डेब्यू वेब सीरीज गोट में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आएंगी जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज हिंदी सिनेमा की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह अभी तक एक सशक्त अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान स्थापित नहीं कर सकी हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी डेब्यू ओटीटी सीरीज को लेकर व्यस्त चल रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह बतौर अभिनेत्री इस सीरीज से दर्शकों के बीच अपनी एक पुख्ता पहचान बना पाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक,अभिनेत्री की इस डेब्यू वेब सीरीज को जियो सिनेमा ने आर्थिक रूप से समर्थन दिया है, जिसका शीर्षक गोट रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस म्यूजिकल ड्रामा की शूटिंग लगभग समाप्त हो चुकी है। जैकलीन की इस डेब्यू सीरीज का पूरा नाम ग्रेटेस्ट् ऑफ ऑल टाइम्स है। इसमें मुख्य अभिनेता के तौर पर नील नितिन मुकेश भी नजर आने वाले हैं। हालांकि, वह जैकलीन के सामने एक चुनौतीपूर्ण किरदार में नजर आएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, जैकलीन इसमें डांस का प्रशिक्षण देने वाली एक महिला के किरदार में होंगी। वहीं, नील इसमें संगीत सिखाने वाले एक शिक्षक के रूप में नजर आएंगे। पूरी सीरीज में दोनों के बीच उनकी अपनी-अपनी कला को लेकर एक दूसरे से प्रतियोगिता दिखाई जाएगी। इस सीरीज में कई नए कलाकार भी नजर आएंगे।

नील के पास संगीत विरासत को सम्मानित करने का मौका

सीरीज को लेकर दोनों के फैंस काफी उत्साहित हैं, क्योंकि दोनों ही अभिनेता उन किरदारों को निभा रहे हैं, जिनसे वो गहराई से जुड़े हुए हैं। जैकलीन काफी अच्छी डांसर हैं, जबकि नील के पिता और दिवंगत दादा को गायक के रूप में जाना जाता रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह पहला मौका होगा, जब अभिनेता को अपनी संगीत विरासत को स्क्रीन पर सम्मानित करने का अवसर मिल रहा है। उनके लिए यह किरदार वास्तविकता के बेहद करीब होगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि भले ही इस सीरीज को जियो सिनेमा का समर्थन है, लेकिन इस के रिलीज के लिए अन्य ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि, निर्माता पहले इसकी शूटिंग समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं। उसके बाद ही इसको स्ट्रीम करने को लेकर फैसला किया जाएगा। इस सीरीज में दो ग्रुप में कई नए कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे, जिन्हें ये दोनों मुख्य् कलाकार ट्रेनिंग देते नजर आएंगे।

सुभाष घई की फिल्म से इंडस्ट्री में छाई थीं सई ताम्हणकर

अभिनेत्री सई ताम्हणकर अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। सई ताम्हणकर का जन्म महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। वह मराठी, तमिल और मलयालम भाषा की फिल्मों के साथ-साथ बॉलीवुड में भी अपनी अदाकारी का जलवा बिखेर चुकी हैं। फिल्मों में आने से पहले सई ताम्हणकर कबड्डी की स्टेट लेवल प्लेयर भी रह चुकी हैं। उन्होंने कराटे में भी ऑरेंज बेल्ट हासिल की है। साई ने सुभाष घई की फिल्म ब्लैक एंड व्हाइट से सिल्वर स्क्रीन पर पहला कदम रखा था।

बॉटेनिकल गॉर्डन से जुड़ेगी एक्वा मेट्रो लाइन

उत्तर प्रदेश सरकार देगी 573 करोड़ रुपये, 2254.33 करोड़ रूपये होंगे खर्च

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली एक्वा मेट्रो ट्रेन को सीधे बॉटेनिकल गॉर्डन से जोड़ा जाएगा। ग्रेटर नोएडा एक्वा मेट्रो को बॉटेनिकल गॉर्डन तक ले जाने के प्रस्ताव को उत्तर प्रदेश सरकार ने मंजूरी दे दी है। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के नागरिक लम्बे अर्से से एक्वा मेट्रो ट्रेन को बॉटेनिकल गॉर्डन से जोड़ने की मांग कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मान ली नोएडा-ग्रेटर नोएडा वालों की मांग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के नागरिकों की लम्बे अर्से से चली आ रही मांग को प्रदेश सरकार ने मान लिया। नोएडा में सेक्टर-142 मेट्रो स्टेशन से बॉटेनिकल गॉर्डन तक कुल 11.56 किलोमीटर की एक्वा मेट्रो कॉरिडोर के प्रस्तावित विस्तार में 2254.33 करोड़ रूपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें 573 करोड़ रू0 उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दिए जाएंगे। नोएडा प्राधिकरण इसको बनाएगा। प्रदेश सरकार की इस मंजूरी से सेक्टर-142 मेट्रोस्टेशन से बॉटेनिकल गॉर्डन को जोड़ने के काम में तेजी आएगी और नोएडा और ग्रेटर नोएडा के नागरिकों का काफी लाभ होगा।

जिम्स की मेंटिनेंस को 25 करोड़ मंजूर

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने ग्रेटरनोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) की मेंटिनेंस के लिए आए प्रस्ताव को भी मंजूर कर लिया है। योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल की बिल्डिंग के मेंटिनेंस के लिए 25 करोड़ 48 लाख रू0 की राशि मंजूर की है। इस राशि से जिम्स अस्पताल के कई ब्लॉकों में मेंटिनेंस किया जाएगा तथा चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा।

सैमसंग कंपनी को योगी सरकार देगी 207 करोड़ की सब्सिडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में विकसित करने को लेकर बड़े फैसले किए हैं। खासकर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आईटी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार के एक फैसले ने युवाओं के लिए बंपर रोजगार के अवसर खोल दिए हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने नोएडा में स्थित मोबाइल बनाने वाली सैमसंग डिस्प्ले कंपनी कैपिटल सब्सिडी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को पास किया गया।

इन प्रस्तावों के तहत योगी सरकार ने नोएडा में मैसेज सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड को कैपिटल सब्सिडी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। योगी सरकार सैमसंग डिस्प्ले नोएडा को कल 207 करोड रुपए की सब्सिडी देगी इससे कंपनी में युवाओं के लिए रोजगार के बंपर अफसर मिलेंगे।

भारत विकास परिषद स्वर्णिम शाखा में समर कैम्प का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। भारत विकास परिषद स्वर्णिम शाखा द्वारा दो दिवसीय समर कैम्प का आयोजन भाऊराव देवरस विद्या मंदिर सेक्टर-12, नोएडा में किया गया। प्रोग्राम में लगभग 100 बच्चों ने हिस्सा लिया।

कैम्प में मेहँदी लगाना, सिलाई करना, खाना बनाना, योगा एवं बुनाई इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया।बच्चों ने इस समर कैम्प का बहुत आनन्द लिया। प्रोग्राम में मुख्य अतिथि के रूप में महेश बाबू गुप्ता (राष्ट्रीय वित्त मंत्री) एवम् श्रीमती सुमन गुप्ता (सदस्य राष्ट्रीय प्रकल्प-समूहगान प्रतियोगिता) उपस्थित रहे। शाखा सचिव प्रमोद शर्मा ने बताया कि प्रोग्राम की संयोजक श्रीमती सपना बंसल, श्रीमती सुमित्रा शाह एवं शाखा की समस्त नारी शक्ति ने सेवा भाव से लगकर इस प्रोग्राम को सफल बनाया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश बंसल, महिला संयोजिका स्मृति गुप्ता, महेन्द्र शाह, मुकुल बाजपेयी, राम चन्द्र बजाज, राजेश खंडेलवाल, श्रीमति अंशु अग्रवाल, श्रीमती सुजाता शर्मा, श्रीमती शालू गोयल, श्रीमती मीरा बजाज, शालिनी शर्मा इत्यादि शहर के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

झूठे व षड़यंत्रकारी इंडी गठबंधन से देश को बचाना होगा: डॉ. दिनेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने देश में 1975 में लगाई गई इमरजेंसी को काला दिवस के रूप में मनाया। इसको लेकर सेक्टर-116 स्थित भाजपा महानगर कार्यालय में एक सम्मेलन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, सांसद डा.महेश शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल और नोएडा प्रभारी श्रीमती कांता कर्दम और ज़िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता उपस्थित रहे। इस मौक़े पर इमरजेंसी के दौरान जेल में रही श्रीमती तारा अग्रवाल जो राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल अग्रवाल की माता जी हैं को पूर्व उप मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

इस मौक़े पर दिनेश शर्मा ने कहा कि 25 जून को हम 'काला दिवस' इसलिए भी कहते हैं कि इमरजेंसी के रूप में प्रजातंत्र का गला घोंटने का कुत्सित प्रयास कांग्रेस द्वारा किया गया। साथ ही तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी द्वारा अपनी कुर्सी बचाने के प्रयास से पूरा देश उद्वेलित हो गया था। जिस संविधान को 75 बार संशोधन किया आज वही कांग्रेसी संविधान लेकर पूरे भारत में घूम रही हैं। हमको झूठ की राजनीति करने वाले इंडी गठबंधन से लोगों और देश को बचाना होगा। उन्होंने इंडी गठबंधन को षडयंकारियों का समूह बताते हुए कहा कि सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार करना इनका एकमात्र उद्देश्य है।

डॉ महेश शर्मा ने कहा आज संविधान को बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाने के एक दिन बाद अपने मंत्रिमंडल को उस निर्णय की सूचना दी थी। ऐसा करके उन्होंने संविधान की धज्जियां उडा दी थी। देश के राष्ट्रपति पर दबाव डालकर एक दिन बाद इस निर्णय पर हस्ताक्षर कराए गए थे। आपातकाल लगाकर डेढ लाख लोगों को जेल में डाला गया था। मीडिया पर भी प्रतिबंध लगाया गया था।

आपातकाल में कांग्रेस ने संविधान की धज्जियां उड़ाई थीं : डा. महेश शर्मा

मनोज गुप्ता ने कहा इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान भारत के लोगों पर क्रूर अत्याचार किए। आज संपूर्ण कांग्रेस को समस्त देशवाशियों से माफ़ी माँगनी चाहिए।

कार्यक्रम में महामंत्री उमेश त्यागी, उपाध्यक्ष गिरजा सिंह, मनीष शर्मा, विनोद शर्मा, महेश अवना, युद्धवीर चौहान, गिरीश कोटनाला, एस पी चमोली, प्रमोद बेहाल, चमन आवाना, गोपाल गौड़, कल्लू सिंह, लोकेश कश्यप, पंकज झा, निर्मल सिंह, प्रदीप चौहान, उमेश यादव, शारदा चतुर्वेदी, ओमवीर अवाना, डॉ प्रसेनजित मैत्रा, अहसान, ख़ान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दादरी में फिर चला प्लास्टिक जब्तीकरण अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में दादरी नगर पालिका परिषद ने सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर एक बड़ा अभियान चलाया हुआ है। किसी दुकानदार पर पॉलीथीन पाया गया तो उसे जब्त कर लिया जाएगा।

दादरी नगर पालिका परिषद के कर अधीक्षक सर्वेश चौधरी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में 3 दुकानदारों पर पॉलीथीन पाए जाने पर 7 हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। सरकार ने प्रदूषण और पर्यावरण की रक्षा के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा रखा है।

दादरी नगर पालिका परिषद् के अधिशासी अधिकारी ने बताया कि दादरी नगर पालिका द्वारा मंगलवार को सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्तीकरण अभियान चलाया। इस दौरान 1.200 किलोग्राम पॉलिथीन जब्त की गई।

अधिशासी अधिकारी ने बताया कि दादरी नगर पालिका परिषद सिंगल यूज़ प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए लगातार प्रचार-प्रसार कर रही है। जिसके बावजूद दुकानदारों व रेहड़ी-पटरी वालों द्वारा निरंतर उपयोग किया जा रहा है।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए नगर पालिका परिषद प्रतिदिन अभियान चला रही है। अभियान में जिन दुकानदारों और रेहडी पटरी वालों के पास से पॉलीथिन पाया जाएगा उन पर सख्त से सख्त कार्यवाही होगी ।

दादरी नगर पालिका द्वारा चलाये गए इस जब्तीकरण अभियान में दादरी नगर पालिका परिषद के ज़ाकिर हुसैन का0 कर प्रभारी, फिरोज अहमद का0 वसूलीकर्ता, रामप्रवेश पाल, बिजेन्द्र सिंह स्वास्थ्य प्रभारी, सोहराब, का0 स्वास्थ्य प्रभारी, सुधीर कुमार का वसूलीकर्ता, पीयूष शर्मा, का0 वसूलीकर्ता, सोबीर सिंह का0 वसूलीकर्ता, तुषर शर्मा, बिल कलेक्टर, आलोक कुमार यादव का0 जलकल लिपिक आदि पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

एमएसएमई एसो. ने उद्योगबंधु बैठक को बताया खानापूर्ति, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा एमएसएमई एसोसिएशन ने नोएडा के उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन स्तर पर आयोजित की जाने वाली उद्योगबंधु की बैठक को महज खानापूर्ति बताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। एसोसिएशन ने कहा है कि नोएडा के 25 हजार उद्यमी जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं उनका समाधान तो दूर उनकी सुनवाई तक नहीं हो रही है।

एमएसएमई इंड्रस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मामले की शिकायत की है। उन्होंने कहा कि उद्योगों की समस्याओं के निस्तारण के नाम पर जिला उद्योग केंद्र जिलाधिकारी को गुमराह कर रहा है। उद्योग बंधु की बैठक के एजेंडे में शामिल करने के लिए एमएसएमई इंड्रस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से कई समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत की गई थीं।

संस्था का प्रतिनिधित्व करते हुए बैठक में रमेश राठौर, हरीश बघेल, पीएस सोलंकी, मो दिलशाद और दिलीप मिश्रा आदि उद्यमी शामिल हुए थे। परन्तु गौतमबुद्धनगर के उपायुक्त, उद्योग अनिल कुमार सिंह ने बैठक के एजेंडे में संस्था की ओर से प्रस्तुत समस्याओं को शामिल ही नहीं किया। लिहाजा बैठक में जिलाधिकारी उद्योगों से जुडी किसी भी समस्या पर संज्ञान नहीं ले सके, क्योंकि उनको संस्था की ओर से बताई गई समस्या और शिकायतों से अवगत ही नहीं कराया गया।

सीएम को लिखे पत्र में श्री नाहटा ने कहा कि एक ओर बाजार की स्थिति बहुत खराब है। ऐसे हालात में उद्योगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उद्योग संचालकों की समस्याओं के निस्तारण के नाम पर केवल और केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। ऐसे हालात में औद्योगिक विकास कैसे होगा।